

शहर में आज

► आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 9 बजे से

बिजली कट

► सुबह दस बजे से एक बजे तक

किला रोड, प्रताप मोहल्ला, बड़ा बाजार,

► सुबह सात से 11 बजे तक न्यू आईडीसी, शिव नगर, विश्वकर्मा चौक, शेर विहार कॉलोनी, कुंडू टायल, कच्चा बेरी रोड, मिवानी रोड

► सुबह दस से 11 बजे तक पं नेकीराम कॉलेज

खबर संक्षेप

चुलियाणा में व्यक्ति से 35 हजार की ठगी, केस रोहतक। गांव चुलियाणा में एक व्यक्ति के साथ 35 हजार रुपये की ठगी हो गई। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। आईएमटी थाना पुलिस को दी शिकायत में हरिओम ने बताया कि वह गांव चुलियाणा पाना रोहज का रहना वाला है। 18 अप्रैल को एक अज्ञात व्यक्ति का फोन फोन आया कि मैं आपका जानकार हूं और पंडित बोल रहा हूं मैं आपके फोन में रुपये डाल रहा हूं। फिर उसने मेरे मोबाइल पर 100 रुपये का मैसेज व 35 हजार रुपये का मैसेज भेज दिया।

आयुष्मान कार्ड बनाने का केम्प आज से

रोहतक। शहीद मदन लाल धींगरा प्रशिक्षण केंद्र, टिब्य योग आश्रम के साथ वाली गली, नजदीक कर्पिल मोबाइल, गुरुनानक पूरा, गोहाना रोड पर रविवार को आयुष्मान कार्ड बनाने का कैप लगाया जाएगा। पार्षद कपिल नागपाल ने बताया कि सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे, जिनसे पात्र परिवारों को पांच लाख तक का निशुल्क स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है। यह कार्ड बनवाने के लिए फैमिली आईडी, आधार कार्ड वह मोबाइल फोन जो आधार कार्ड से लिंक हो।

25 जून तक सभी नालों की होगी सफाई

सांपला। मानसून सीजन के दौरान कस्बे में जलभराव की स्थिति पैदा न हो, इसके लिए नगर पालिका की ओर से नालों की सफाई शुरू कर दी गई है। अधिकारी प्रतिदिन एजेंसी के नाला सफाई कार्य की निगरानी कर रहे हैं। दावा है कि 25 जून तक कस्बे के सभी नाले साफ करवा दिए जाएंगे। उसके बाद इनसे दूषित पानी की निकासी निर्बाध रूप से हो सकेगी।

पीजीआईएमएस में व्याख्यान में वीसी डॉ. एच के अग्रवाल बोले गांव एवं ब्लॉक स्तर पर लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभाव से करें जागरूक

तंबाकू व धूम्रपान का सेवन न करें, हर साल विश्व में हजारों लोग मौत के बनते है शिकार

हरिभूमि न्यूज ►►रोहतक

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को कम्युनिटी मेंडेशन विभाग, डेंटल कॉलेज के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री एवं मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के राज्य व्रसन निर्भरता उपचार केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में चौधरी रणबीर सिंह ओपीडी में तम्बाकू के दुष्प्रभाव एवं बचाव से संबंधित चित्र प्रदर्शनी, हैल्प डेस्क व लेक्चर थियेटर पांच मे व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने रिबन काटकर

जिले में पंचायती राज संस्थाओं के उपचुनाव में सभी नामांकन सही 22 में से 21 पंच निर्विरोध चुने, अटायल बनियानी में सरपंच के लिए बजेगी रणभेरी

सुंदरपुर पंचायत में किसी ने भी पंच के लिए दाखिल नहीं किया नॉमिनेशन, अब 6 महीने तक खाली रहेगा पद

अटायल और बनियानी के लिए छह-छह नॉमिनेशन दाखिल किए गए

24 से 30 मई तक नामांकन पत्र स्वीकार किए गए

जिले में पंचायती राज संस्थाओं के उप चुनाव में 22 में से 21 पंच निर्विरोध चुन लिए गए हैं। जबकि सुंदरपुर पंचायत के वार्ड नंबर एक में किसी ने भी नामांकन दाखिल नहीं किया। अटायल और बनियानी के लिए सरपंच का चुनाव होगा। यहां छह-छह नॉमिनेशन दाखिल किए गए हैं। इन दोनों पंचायतों में सर्वसम्मति होने के आसार नहीं हैं। क्योंकि सरपंच का पद काफी महत्व रखता है। इसलिए छह-छह पंच जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत को प्राप्त हुए हैं। जिन पंचायतों में पंच का इलेक्शन होना था, वहां एक-एक नामांकन पत्र दाखिल किया गया है।

सुबह 10 से शाम 3 बजे तक की जांच

ध्यान रहे कि 24 से 30 मई तक नामांकन पत्र स्वीकार किए गए हैं। नामांकन पत्रों की छानबीन आज शनिवार 31 मई को की गई। प्रातः 10 बजे से सायं तीन बजे तक की गई। बताया जा रहा है कि सभी नॉमिनेशन सही पाए गए हैं। उम्मीदवार 2 जून दोपहर बाद तीन बजे नामांकन वापिस ले सकते हैं। इसके बाद चुनाव लड़ने वाले अम्बेधियों को चुनाव चिन्ह आवंटित होंगे। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित होगी। पंचों को छोड़कर अगर सरपंच के लिए चुनाव हुआ तो रविवार 15 जून सुबह 8 बजे से सायं 6.00 बजे तक मतदान होगा। मतगणना मतदान के तुरन्त बाद संबंधित मतदान केन्द्र पर ही होगी। और यही चुनाव परिणाम घोषित करके विजेता को जीत का प्रमाणपत्र जारी कर दिया जाएगा।

2 सरपंच के लिए 12 पर्चे

जिन पंचायतों में पंच के लिए एक नामांकन दाखिल किया गया था, उनमें इंदगढ़ का वार्ड नंबर नंबर 9, लाखनमाजरा का 18, सुंदरपुर का 1, काहनी 7.5 का 6, मुंगाण का 1, मकड़ौली कलां का 15, कंसाणा का 10, आसन का 5.8 और 6 वार्ड, घुसकानी का 6, खिड़वाली का 13, सिंहरपुरा सुई का 5,सांघी का 16,इस्माइल्ला 9-बी का 13, मोरखेड़ी का 11, पिलाना का 12, अजायब का 13, अजायब खास का 5 और 14, बिंदाना खास का 7 तथा सिसरखास पंचायत का वार्ड नंबर 5 शामिल है। बनियानी और अटायल का सरपंच बनने के लिए 6-6 लोगों ने नामांकन दाखिल किए हैं।

आंधी से सांपला में 15 बिजली के पोल टूटे

►बिजली गुल होने से लोग परेशान रहे ►बस पर पोल गिरा, बड़ा हादसा होने से बच गया

शनिवार शाम को आई आंधी ने इलाके में करीब 15 बिजली के पोल टूट गए। जिससे कई गांव की बिजली गुल हो गई। वहीं गर्मी से जूझ रहे लोगों को शनिवार शाम को मौसम में कुछ राहत दी। शाम को आसमान में बादल छाए और तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी ने थोड़ी ठंडक का एहसास कराया। आंधी से करीब 15पोल गिर गए। जिस इलाके में बिजली गुल हो गई। गद्दी सांपला एक निजी कॉलेज की बस पर एक बिजली का पोल टूट कर गिर गया। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। बस में कॉलेज के विद्यार्थी थे। छुट्टी होने के बाद बस विद्यार्थियों को लेकर बहादुरगढ़ की तरफ जा रही थी। कॉलेज से कुछ ही दूर चलते ही तेज आंधी की वजह से बिजली का पोल बस के अगले हिस्से पर गिर गया। गनीमत यह रही की उस दौरान बिजली बंद थी। जिसे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। सभी विद्यार्थी सुरक्षित बताई जा रहे हैं। आंधी रुकते ही निगम की टीम लाइनों

पर निकली तो करीब 15 स्थान पर पोल टूटे पाए गए। देर रात तक लाइन को ठीक करते रहे। रोहद लाइन पर पेड़ गिर गया। इसके अलावा भी कई स्थानों पर पोल टूट गए। बिजली निगम के एसडीओ जोगिंदर सिंह मोर ने बताया कि पोल टूटने की वजह से बिजली बाधित हुई थी। कई लाइन चालू कर दी गई।

सांपला में कार पलटने से चालक घायल

कस्बे में पुल पर एक कार अनियंत्रित होकर नाले में पलट गई। हादसे में चालक घायल हो गया। किसी तरह लोगों ने उसे बाहर निकाला। घायल चालक को सांपला सामुदायिक केंद्र में भर्ती कराया गया है।

पंचायत चुनाव

6 महीने तक ही खाली रहता है पद

हरियाणा पंचायती राज अधिनियम में प्रावधान है कि पंचायती संस्थाओं में साधारण स्थिति में किसी भी पद को छह महीने से तक खाली नहीं रखा जा सकता है। पद खाली रहने पंचायत के कामकाज में बाधा आती है। इसलिए समय-समय पर उप चुनाव करवाए जाते हैं। वर्तमान में होने ला रहे उप चुनाव के लिए सबसे पहले वॉटर लिस्ट को अपडेट की गई। राज्य निर्वाचन आयोग ने 25 मार्च से 10 अप्रैल तक करवाया। 11 अप्रैल वॉटर लिस्ट का प्रथम प्रकाशन हुआ। इस लिस्ट पर 18 तक ऑब्जेक्शन और क्लेम स्वीकार किए गए। 22 अप्रैल को क्लेम का निपटान किया। इसके बाद इन निपटान पर भी किसी व्यक्ति को आपत्ति थी तो उनकी सुनवाई जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत द्वारा 25 को की गई। इन निपटान का 6 मई को निपटान का डिस्पोज करके 13 मई को मतदान सूची का प्रकाशन करके राज्य निर्वाचन आयोग को अक्मत करवाया। इसके बाद आयोग ने पूरे प्रदेश में उप चुनाव की तारीख की घोषणा की।

मदवि में 33 शोधार्थी पीएचडी के पात्र घोषित

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति ने परीक्षकों के बोर्ड तथा शोध समिति की अनुशंसा पर 33 शोधार्थियों को पीएचडी डिग्री का पात्र घोषित किया है। पीएचडी डिग्री के पात्र शोधार्थी हैं-मैनेजमेंट से सपना, श्वेता सैनी, सरिता, कपिल आहूजा, मोनिका, तमन्ना व अंजलि गुप्ता, कार्पास से पूनम, सोनिया व सचिन, कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन से आयुषी चहल, कैमिस्ट्री से पूजा छिल्लर, सांख्यिकी से अंजू, फिजिक्स से कोमल, गणित से मीनाक्षी, पूजा व लालजी, पर्यावरण विज्ञान विभाग से दिनेश व सविता, बॉटनी से शशि, कुसुम कुमारी व पूनम, जूलांजी से पूजा, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग से कीर्ति शर्मा, नीतिन नेवालिया तथा सुधा, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग से कीर्ति, समाजशास्त्र से बालेश्वर दत्त व नीरज, एजुकेशन से अंकित गोयल, फिजिकल एजुकेशन से रीना, लॉ से विकास व शैली शरण।

पं. नेकीराम कॉलेज में तम्बाकू छोड़ने की ली शपथ

रोहतक। हरिभूमि समाचार पत्र द्वारा शनिवार को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर तम्बाकू निषेध हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। यह अभियान बस स्टैंड और पं. नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलाया गया। जहां हजारों की संख्या में लोगों ने तंबाकू छोड़ने की शपथ ली। (विस्तृत खबर पेज 12 पर)

हुमांयपुर में युवक के साथ 27 हजार रुपये की ठगी, केस दर्ज

रोहतक। गांव हुमांयपुर में एक युवक के साथ करीब 27 हजार रुपये की ठगी हुई है। आईएमटी थाना पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी। आईएमटी थाना पुलिस को दी शिकायत में दीपक ने बताया कि वह गांव हुमांयपुर का रहने वाला है। 16 अप्रैल को अपने फोन पर इसटावाम देख रहा था। इस दौरान मैने एक लिंक पर क्लिक किया तो मेरा फोन हैक हो गया और मेरे फोन पर अपने आप ओटीपी आने लगे इसके बाद मेरे खाते से 9990 व 9990 व 7500 रुपये अपने आप कट गए। किसी अज्ञात व्यक्ति ने मेरे खाते से कुल 27 हजार 480 रुपये का फरोड कर लिया पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

श्री नारायणी सेना चैरिटेबल ट्रस्ट ने निगम की पहरावर गोशाला का संचालन छोड़ा

रोहतक। शनिवार को नगर निगम की पहरावर गोशाला का ठेका बदल गया। चुलियाना निवासी एवं श्री नारायणी सेना चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सोमबीर शर्मा के तीन साल के कार्यकाल के बाद निगम की पहरावर गोशाला का ठेका दलेल सिंह एजेंसी ने संभाला। विगत दिनों इस गोशाला के संचालन के लिए काफी विवाद हुआ था। निगम आयुक्त द्वारा जांच कमेटी भी बनाई गई। जिसके बाद 31 मई की रात को संचालक सोमबीर शर्मा ने दोनों पक्षों के सामने गोशाला संचालन दलेल सिंह को सुपुर्द किया। 1 जून से गोशाला का रखरखाव एवं चारा पानी व्यवस्था दलेल सिंह नामक एजेंसी द्वारा किया जाएगा। इस मौके पर पहरावर गांव से संदीप फौजी, हरिओम कोशिक, पिंटू कोशिक और समस्त गोशाला रटाफ मौजूद रहा।

गोहाना स्टैंड निवासी के साथ वारदात, पुलिस कर रही जांच फाइनेंसर ने युवक से छीनी गाड़ी जान से मारने की धमकी, केस दर्ज

मुझे व मेरे परिवार को आशीष नांदल से जान-माल का खतरा अगर दस लाख रुपये नहीं दिए तो मैं एनडीपीएस के झूठे मुकदमे में फंसा दूंगा

आया था और बातों-2 में वह अपने बारे में मुझे बताने लगा और कहने लगा कि मेरा फाइनेंस का काम है अगर आपको कुछ खाली कागजों पर शपथपत्रों पर हस्ताक्षर करवा लिए और मुझसे हस्ताक्षर किए हुए 2 खाली चैक भी ले लिए और जैसे-2 मैंने पैसे लिए वैसे-2 मैं उसको दिन प्रतिदिन के हिसाब से अलग-2 तारिखों में वापिस भी करता रहा। मैंने उसे 2 लाख 888 रुपये आनलाइन दिए व 2 लाख 70 हजार रुपये के करीब कभी भी किसी भी समय किसी भी काम के लिए पैसे की जरूरत हो तो मैं आपको कम से कम ब्याज पर पैसे दे सकता हूं। मुझे भी अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए कुछ पैसों की जरूरत थी तो मैं उसके आफिस नांदल प्रोपर्टी सुखपुरा चौक पर चला गया और उसने मुझे ब्याज का दर 20 प्रतिशत प्रति वर्ष बताया और बोला कि किस्ते भी आपको प्रति माह के हिसाब से ना देकर दिन प्रतिदिन के हिसाब से देते रहना है। जिससे आपके उपर वृद्धि बढ़ती है। वह मुझे धमकी भी देता है कि मुझे दस लाख रुपये और चाहिए अगर दस लाख रुपये नहीं दिये तो मैं तेरे को एनडीपीएस के झूठे मुकदमे में फंसा दूंगा। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

हरिभूमि न्यूज ►►रोहतक

गोहाना स्टैंड निवासी युवक से एक फाइनेंसर ने धमकी देकर गाड़ी छीन ली और जान से मारने की धमकी दी। युवक का आरोप है कि फाइनेंसर उससे 10 लाख रुपये की मांग कर रहा है। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

एसपी को दी शिकायत में नितिन जैन ने बताया कि वह गोहाना अड्डा का रहने वाला है। मैं बिजली के सामान का काम करता हूं, मेरी दुकान जैन मार्किट, गोहाना अड्डा पर है। यह कि मेरी मुलाकात आशीष नांदल से दिसंबर 2024 में मेरी दुकान पर ही हुई थी। वह मेरी दुकान पर कुछ बिजली का सामान खरीदने

सत जीन्दा कल्याणा (पी.जी.) महाविद्यालय, कलानौर (रोहतक)

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से संबद्ध

NAAC ACCREDITED 'A' GRADE & ISO 9001:2015 CERTIFIED INSTITUTE

उपलब्ध कोर्स

BA

B.Com

BCA

B.SC Non-Medical (Physical Sc.)

APGDCA

MA (Geography)

M.Com

प्रवेश प्रारंभ 2025-2026

UG Admission Portal : <https://admissions.highereduhry.ac.in>

UG Online Registration and Submission of Application : 19.05.2025 onwards

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए कॉलेज में हेल्प डेस्क की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है।

Contact No.: 8607022439, 8708866122

डॉ. नरेश कुमार दुआ, प्राचार्य

म्यूचुअल फंड व हेज फंड, दोनों निवेश के विकल्प

- ▶ दोनों के उद्देश्यों और रणनीतियां काफी अलग-अलग
 - ▶ म्यूचुअल फंड सुरक्षित और आम लोगों के लिए सही
 - ▶ हेज फंड जोखिम भरा, लेकिन हाई रिटर्न वाला विकल्प
- हेज फंड उन लोगों के लिए होता है जो थोड़े ज्यादा जोखिम लेकर ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। अगर आप भी ये जानना चाहते हैं कि म्यूचुअल फंड और हेज फंड में क्या फर्क है और आपके लिए कौन सा बेहतर रहेगा, तो आइए इस रिपोर्ट में हम आपको दोनों के बारे में बताते हैं।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड और हेज फंड-दोनों निवेश के तरीके हैं, लेकिन अलग-अलग सोच और जोखिम के साथ आते हैं। म्यूचुअल फंड को सुरक्षित निवेश के तरीकों में और आम लोगों के लिए जाना जाता है, जबकि हेज फंड जोखिम भरा है, लेकिन यह हाई रिटर्न वाला ऑप्शन बताया जा रहा है। इसलिए इनके बीच में काफी गहरा फर्क है। जब बात निवेश की आती है, तो म्यूचुअल फंड और हेज फंड जैसे शब्द अक्सर सुनने को मिलते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये दोनों निवेश के तरीके हैं, लेकिन बिलकुल अलग अंदाज में काम करते हैं? म्यूचुअल फंड आम निवेशकों के लिए होता है, जो अपने पैसे को सुरक्षित और समझदारी से बढ़ाना चाहते हैं। वहीं हेज फंड उन लोगों के लिए होता है जो थोड़े ज्यादा जोखिम लेकर ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। अगर आप भी ये जानना चाहते हैं कि म्यूचुअल फंड और हेज फंड में क्या फर्क है और आपके लिए कौन सा बेहतर रहेगा, तो आइए इस रिपोर्ट में हम आपको दोनों के बारे में बताते हैं।

होता क्या है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड एक तरह का निवेश का ऑप्शन होता है, जिसमें एक प्रोफेशनल फंड मैनेजर कई निवेशकों से इकट्ठा किए हुए पैसे को है और उसे बॉन्ड, स्टॉक्स और अन्य सिक्योरिटीज जैसे विविध प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है। म्यूचुअल फंड का उद्देश्य इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स को ऐसे डायवर्सिफाइड और प्रोफेशनल तरीके से मैनेज पोर्टफोलियो तक पहुंच प्रोवाइड करना होता है, जिन्हें वे अकेले नहीं खरीद पाते हैं। म्यूचुअल फंड खासकर शुरुआती निवेशकों या उन लोगों के लिए उपयुक्त होते हैं जो निवेश में ज्यादा शामिल होना नहीं चाहते। यदि आपकी निवेश अवधि लंबी है और जोखिम लेने की क्षमता कम है, तो म्यूचुअल फंड आपके लिए फाइनेंशियल मार्केट में शामिल होने का आसान तरीका है, भले ही आपको इस सेक्टर में ज्यादा जानकारी न हो।

तया होता है हेज फंड

हेज फंड एक तरह का खास इन्वेस्टमेंट ऑप्शन होता है, जिसमें केवल अमीर और अनुभवी निवेशक पैसा लगाते हैं। यह फंड अलग-अलग और थोड़ी कॉम्प्लेक्स स्ट्रेटजी से ज्यादा फायदा कमाने की कोशिश करता है। हेज फंड वाले ज्यादा जोखिम उठाते हैं और वे उधार लेकर या मार्केट में शॉर्ट सेलिंग जैसी तरीकोंबां का इस्तेमाल करते हैं, ताकि ज्यादा मुनाफा कमाया जा सके। ये फंड ज्यादा नियमों से बंधे नहीं होते और इसलिए इनके काम करने का तरीका म्यूचुअल फंड से अलग होता है। हेज फंड उन लोगों के लिए है जो बड़ा पैसा लगाना चाहते हैं और जोखिम लेने को तैयार हैं।



म्यूचुअल फंड्स और हेज फंड्स में अंतर

- ▶ **ऑब्जेक्टिव** : म्यूचुअल फंड्स का मकसद निवेशकों को सुरक्षित और लगातार रिटर्न देना होता है। इसके लिए वे पैसा कई कंपनियों में लगाते हैं। हेज फंड्स का मकसद ज्यादा मुनाफा कमाना होता है, भले ही इसके लिए जोखिम उठाना पड़े।
- ▶ **इनवेस्टर बेंस** : म्यूचुअल फंड्स में कोई भी आम व्यक्ति निवेश कर सकता है। हेज फंड्स में सिर्फ ज्यादा पैसा वाले या अनुभवी निवेशक ही पैसा लगा सकते हैं।
- ▶ **मैनेजमेंट** : म्यूचुअल फंड्स को नियमों के अनुसार प्रोफेशनल लोग संभालते हैं। हेज फंड्स को ज्यादा आजादी होती है और इन्हें कम निगरानी में चलाया जाता है।
- ▶ **इनवेस्टमेंट स्ट्रेटेजी** : म्यूचुअल फंड्स में पैसा सुरक्षित और अलग-अलग जगहों पर लगाया जाता है। हेज फंड्स जोखिम लेकर जटिल और आक्रामक तरीके अपनते हैं।
- ▶ **लिक्विडिटी** : म्यूचुअल फंड्स से आप किसी भी दिन पैसा निकाल सकते हैं। हेज फंड्स में अक्सर लॉन्ग-इन पीरियड होता है, यानी कुछ समय तक पैसा नहीं निकाल सकते।

- ▶ **फीस** : म्यूचुअल फंड्स में फीस कम होती है और पहले से तय होती है। हेज फंड्स में फीस ज्यादा होती है और मुनाफे पर बरस भी हो सकती है।
- ▶ **रेगुलेशन** : म्यूचुअल फंड्स पर सख्त सरकारी नियम लागू होते हैं और ट्रान्सपेरेंसी बनी रहती है। हेज फंड्स पर कम नियम होते हैं और जानकारी कम मिलती है।
- ▶ **निवेश रणनीति** : म्यूचुअल फंड आमतौर पर अधिक पारंपरिक निवेश रणनीतियों का उपयोग करते हैं, जबकि हेज फंड अधिक आक्रामक और उच्च जोखिम वाले रणनीतियों का उपयोग करते हैं।
- ▶ **जोखिम स्तर** : म्यूचुअल फंड आमतौर पर कम जोखिम वाले होते हैं, जबकि हेज फंड उच्च जोखिम वाले हो सकते हैं।
- ▶ **निवेशक योग्यता** : म्यूचुअल फंड अधिक निवेशकों के लिए उपलब्ध होते हैं, जबकि हेज फंड अक्सर उच्च नेटवर्थ वाले निवेशकों के लिए आरक्षित होते हैं।
- ▶ **अंततः**, म्यूचुअल फंड और हेज फंड दोनों में निवेश करने से पहले अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

एसआईपी में ज्यादा रिटर्न चाहिए तो पांच चीजों पर कर लें फोकस

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी एक निवेशक हैं या निवेश करने जा रह रहे हैं तो कुछ बातें अपने पल्ले बांध लें। इससे आप आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकते। कहते हैं तुरंत पैसा बढ़ाने का कोई शॉर्टकट नहीं है, लेकिन धैर्य और संयम के साथ निवेश किया जाए तो आप बेहतर रिटर्न प्राप्त कर मोटा पैसा बना सकते हैं। यदि आप सीधे शेयर बाजार में इन्वेस्ट करने का जोखिम नहीं लेना चाहते, तो म्यूचुअल फंड आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। यहां आपका जोखिम कुछ हद तक कम हो जाता है। अगर आप एकमुश्त बड़ी रकम निवेश करने में सक्षम नहीं हैं, तो सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। एसआईपी में आप हर महीने एक छोटी रकम निवेश कर सकते हैं। आज हम आपको 5 ऐसी बातें बताते जा रहे हैं, जिनका ध्यान रखकर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड से अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं।

निवेश में देरी न करें

एसआईपी का एक सबसे बड़ा फायदा कंपाउंडिंग (चक्रवृद्धि ब्याज) की पावर है। आप जितनी जल्दी निवेश करना शुरू करेंगे, उतना ही बड़ा फंड बना पाएंगे। इससे आप छोटे निवेश से भी समय के साथ बड़ी पूंजी जमा कर सकते हैं। देरी से शुरुआत करने का मतलब है कंपाउंडिंग का पूरा फायदा न ले पाना। इसलिए समय रहते निवेश की प्लानिंग करें। जितना जल्दी हो सके निवेश की प्लानिंग करें और उसे बढ़ाते जाएं। इससे आप आसानी से अपना पैसा बढ़ा पाएंगे।

सही फंड का चुनाव करें

देखा जाए तो सभी म्यूचुअल फंड एक जैसे नहीं होते। सबका प्रदर्शन और रिटर्न अलग-अलग होता है। ऐसे में आपको पिछले प्रदर्शन, एक्सपेंस रेश्यो (फंड चलाने का खर्च) और फंड मैनेजर की विशेषज्ञता के आधार पर विभिन्न फंडों पर रिसर्च करनी चाहिए। ऐसे फंड चुनें जो आपके जोखिम के सी क्षमता और निवेश लक्ष्यों से मेल खाते हों, चाहे वे इक्विटी (शेयर), डेट (बण्ड) या हाइब्रिड (दोनों का मिश्रण) फंड हों। इससे आप निवेश किसी रिस्क के निवेश कर पाएंगे और बेहतर रिटर्न प्राप्त कर पाएंगे।

हमेशा अनुशासित रहें

अक्सर बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, जो निवेशकों को परेशान करने वाले हो सकते हैं, लेकिन एसआईपी में सफलता की कुंजी अनुशासित रहना है। बाजार में गिरावट के दौरान भी अपने निवेश को जारी रखने से आप कम कीमतों पर अधिक यूनिट खरीद सकते हैं, जिससे समय के साथ आपकी खरीद लागत का औसत निकल जाता है (इसे रुपया लागत औसत भी कहते हैं)। घबराकर निवेश बंद न करें। बाजार में उतार-चढ़ाव से परेशान न हों, बल्कि जब बाजार में गिरावट आए तो अपने निवेश को और बढ़ाने का प्रयास करें। उससे मांगने का प्रयास न करें। एसआईपी के जरिये निवेश आपके लिए काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

धीरे-धीरे एसआईपी की रकम बढ़ाएं (स्टेप-अप एसआईपी)

जैसे-जैसे आपकी आय बढ़े, अपनी एसआईपी की रकम बढ़ाने पर विचार करें। यह स्टेप-अप दृष्टिकोण आपको म्यूचुअल फंड की पूरी क्षमता का लाभ उठाने में मदद कर सकता है। साथ ही, यह सुनिश्चित करता है कि आपका निवेश महंगाई और आपके बढ़ते वित्तीय लक्ष्यों के साथ तालमेल बनाए रखे। स्टेप-अप एसआईपी एक प्रकार की सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है जिसमें निवेशक नियमित अंतराल पर निवेश की जाने वाली राशि को बढ़ाने का विकल्प चुन सकते हैं।

क्योंकि इसमें निवेशक अपने निवेश को बढ़ाते हुए लंबी अवधि में अधिक रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।

नियमित निवेश : स्टेप-अप एसआईपी में निवेशक नियमित अंतराल पर निवेश करते हैं, जिससे उन्हें अनुशासन में रहने में मदद मिलती है।

बचत 5 साल में घर खरीदना चाहते हैं या बच्चों की शिक्षा के लिए कर रहे निवेश, फंड एकत्रित कर करना चाहते हैं अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग

ये टिप्स आपकी पूंजी भी बढ़ाएं और आपको हाथ नहीं फैलाने देंगे

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करे खुद को आत्मनिर्भर बनाने चाहते हैं या रिटायरमेंट प्लानिंग कर रहे हैं तो निवेश के कुछ अहम टिप्स आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। बस आपको पहले तय करना है कि आप निवेश क्यों कर रहे हैं यानी इस निवेश के पीछे आपका लक्ष्य क्या है। क्या आप 5 साल में घर खरीदना चाहते हैं, बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश कर रहे हैं या फंड एकत्रित कर रिटायरमेंट प्लानिंग करना चाह रहे हैं। जैसे ही आप अपना लक्ष्य तय कर लें तो निवेश के कुछ टिप्स अपनाएं। ये आपकी पूंजी भी बढ़ाएं और आपको हाथ नहीं फैलाने देंगे। आज के इस समय में हर कोई आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहता है। अक्सर लोग इंटरनेट पर सवाल पूछते हैं कि अमीर कैसे बने? आप केवल मेहनत से ही नहीं बल्कि स्मार्ट निवेश और वित्तीय अनुशासन में रहकर भी अमीर बन सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपके लिए निवेश के कुछ ऐसे टिप्स लेकर आए हैं, जिससे जिससे ना केवल आपकी पूंजी बढ़ेगी, बल्कि इससे आप आत्मनिर्भर भी बनेंगे।

निवेश के कुछ टिप्स अपनाएं, बना देंगे आपको आत्मनिर्भर शुरुआत करने से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य को स्पष्ट करें

सबसे पहले निर्धारित करें लक्ष्य

निवेश की शुरुआत करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्य स्पष्ट होने चाहिए। जैसे कि आप 5 साल में अपना घर खरीदना चाहते हैं, बच्चों की शिक्षा के लिए फंड एकत्रित करना चाहते हैं या फिर रिटायरमेंट प्लानिंग करना चाहते हैं। आपको अपने लक्ष्य के अनुरूप निवेश की शुरुआत करनी चाहिए। आपको अपने छोटे-छोटे वित्तीय गोल और लंबी अवधि के गोल तय करने चाहिए। जैसे 1 से 3 साल के लिए, 3 से 7 साल के लिए और 7 साल से अधिक। इसके बाद ही निवेश करना शुरू करेंगे तो आपके निवेश की चीजें पूरी तरह से स्पष्ट रहेंगी।

बचत को दें प्राथमिकता

यदि आप अमीर बनना चाहते हैं तो अपने वित्तीय गोल बनाने के बाद बचत की शुरुआत करें। इसके लिए हर महीने का बजट बनाएं। अनावश्यक खर्च करने से बचें। बाजार में जाकर चीजों को देखकर लालचाएं नहीं। आपको हर महीने अपनी आय का काम से कम 20 से 30% बचाना है। आप 50 -30-20 नियम के अनुसार बचत कर सकते हैं। इस नियम के अनुसार अपनी आय का 50% हिस्सा जरूरतों पर खर्च करें, 30% को अपनी इच्छाओं और मनोरंजन जैसे शौक के लिए खर्च करें, बचे हुए 20% से बचत करके उसका निवेश करें। हर महीने निवेश हो सके इसके लिए आप अपने खाते से ऑटोमैटिक निवेश की सुविधा को शुरू कर सकते हैं।

अपने निवेश को करें डायवर्सिफाई

निवेश के लिए अक्सर विशेषज्ञ भी यह सलाह देते हैं कि निवेश कभी भी एक जगह नहीं किया जाना चाहिए। अपने पैसे को अलग-अलग एसेट क्लास जैसे इक्विटी, डेट, गोल्ड और रियल स्टेट में बांटे। ताकि किसी एक में भी अगर आपको नुकसान हो तो दूसरे विकल्प से उसे समायोजित किया जा सके और आपका निवेश लाभ दे सके और आपके गोल को पूरा कर सके।

लॉन्ग टर्म निवेश को दें प्राथमिकता यदि आप अपने निवेश पर बड़ा रिटर्न हासिल करना चाहते हैं तो इसके लिए जरूरी है कि लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें। क्योंकि लॉन्ग टर्म में चक्रवृद्धि ब्याज का ज्यादा लाभ मिलेगा। आप जितनी जल्दी निवेश की शुरुआत करेंगे उतना ज्यादा आपको लाभ मिलेगा। लॉन्ग टर्म में चक्रवृद्धि ब्याज पैसा बढ़ाने का सबसे बढ़िया तरीका है।

पहले निवेश को समझना जरूरी

आजकल निवेश के कई विकल्प मौजूद हैं, जिनमें से आप अपनी आय और जोखिम लेने की क्षमता का आकलन करके फिर निवेश करें। आप चाहें तो म्यूचुअल फंड के एसआईपी में निवेश करके लॉन्ग टर्म में बड़ा फंड जोड़ सकते हैं। इसके अलावा डीमैट खाते में भी निवेश किया जा सकता है, रियल एस्टेट, सरकारी योजनाएं, फिक्स्ड डिपॉजिट आदि विकल्प में निवेश किया जा सकता है।



शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव के टेंशन से बचना है तो बॉन्ड में निवेश फायदेमंद

- निवेश का एक सरल नियम यह है कि अपनी उम्र को 100 में से घटाएं
- इसमें जो संख्या बचे, उतना प्रतिशत इक्विटी में और बाकी बॉन्ड में निवेश करें
- बॉन्ड निवेशकों को एक सुनिश्चित और नियमित रिटर्न दे रहे हैं

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी शेयर बाजार की उतार-चढ़ाव से परेशान रहते हैं, तो बॉन्ड एक बेहतर और स्थिर निवेश विकल्प साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं, महंगाई और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच बॉन्ड निवेशकों को एक सुनिश्चित और नियमित रिटर्न दे रहे हैं। यही वजह है कि बॉन्ड निवेश खासकर उन लोगों के लिए आकर्षक बनता जा रहा है जो जोखिम से बचना चाहते हैं और स्थिर आय की तलाश में हैं। पिछले तीन महीनों में निफ्टी 50 में 5.4% की गिरावट आई है, जबकि सरकारी और कॉर्पोरेट बॉन्ड स्थिर रिटर्न दे रहे हैं।" सरकारी बॉन्ड फिलहाल सालाना 6.2% से 6.8% का रिटर्न दे रहे हैं, जबकि उच्च रेटिंग (एएए) वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड 6.8% से 7.5% का सालाना रिटर्न दे रहे हैं। दीर्घकालिक निवेशकों के लिए, खासकर वे जो जोखिम से बचना चाहते हैं, बॉन्ड एक सुरक्षात्मक निवेश के तौर पर काम करते हैं। साथ ही, निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए भी यह एक अहम साधन है, जिससे बाजार की अस्थिरता करीब 30% तक कम की जा सकती है।

बॉन्ड रिटर्न में भरोसा बढ़ रहा

इंडिया बॉन्ड्स के सह-संस्थापक विशाल गोयनका के मुताबिक, जब बाजार भू-राजनीतिक तनावों, केंद्रीय बैंक की नीतियों और वैश्विक घटनाओं से प्रभावित हो रहा हो, उस वक्त बॉन्ड निवेश एक स्थिर नकदी प्रवाह और पूंजी संरक्षण प्रदान करता है। इसलिए बॉन्ड निवेशकों के लिए भरोसे का स्रोत है। इसमें भले रिटर्न दूसरे विकल्पों से कुछ कम हो, लेकिन कभी भी नुकसान नहीं पहुंचाता। इसलिए भी बॉन्ड में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ा जा रहा है खाकर उन लोगों में जो जोखिम से बचना चाहते हैं और सुनिश्चित और नियमित रिटर्न चाहते हैं। इसलिए आप भी सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं तो बॉन्ड आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं।



आंकड़ों पर एक नजर

2020-2025 के दौरान निफ्टी 50 का कुल रिटर्न 19.8% रहा, लेकिन उतार-चढ़ाव अधिक था। वहीं, सोने ने इसी अवधि में 16.32% का सालाना रिटर्न दिया। 10 साल के सरकारी बॉन्ड का औसत रिटर्न 6.19% और एएए कॉर्पोरेट बॉन्ड्स का सालाना औसत रिटर्न 6.9% रहा। 2024-25 में, निफ्टी ने सिर्फ 7.44% रिटर्न दिया, जबकि सोने ने 41.5% और एएए रेटेड कॉर्पोरेट बॉन्ड्स ने 8.03% का स्थिर रिटर्न दिया।

जागरुकता की कमी

आज भी बॉन्ड, खासकर युवाओं के बीच, उतने लोकप्रिय नहीं हैं। इसका कारण है अपेक्षाकृत कम रिटर्न, कम प्रचार, और वित्तीय ऐड्स व मीडिया में कम उपस्थिति। युवाओं में ज्यादा रिटर्न की चाहत उन्हें इक्विटी या म्यूचुअल फंड की ओर खींचती है। हालांकि आरबीआई रिटेल डायरेक्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे इंडिया बॉन्ड्स के माध्यम से अब यह स्थिति बदल रही है।

बॉन्ड बाजार का विकास

भारत में बॉन्ड बाजार तेजी से विकसित हो रहा है। भारत का कुल बॉन्ड बाजार अब \$2.69 ट्रिलियन तक पहुंच चुका है। हालांकि अमेरिका जैसे विकसित बाजारों की तुलना में अभी भी तरलता और पहुंच में सुधार की जरूरत है, लेकिन सेबी और अन्य संस्थानों के प्रयासों से यह बदलाव तेजी से हो रहा है।

वित्तीय शिक्षा बढ़ाएं

यदि आप चाहते हैं कि आप निवेश की दुनिया में सफल हो पाएं तो उसके लिए लगातार सीखते रहें। वित्तीय किताबें, वित्तीय ब्लॉग पढ़ने के साथ ही विशेषज्ञ से भी सलाह ले सकते हैं। रोजाना अखबार भी पढ़ें और न्यूज सुनें। अपने निवेश की समीक्षा भी करते रहें।

इमरजेंसी फंड को ना करें नजरअंदाज

आपके निवेश के साथ-साथ ढ़ैक्स बचत और इमरजेंसी फंड बनाने पर भी फोकस करना चाहिए। आपके पास काम से कम 6 से 12 महीने के खर्च के बराबर का इमरजेंसी फंड होना चाहिए। इससे आप आपात स्थिति से निपट सकते हैं।

अनुशासित रहें और धैर्य रखें

यदि आप वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करना चाहते हैं बड़ा गोल हासिल करना चाहते हैं तो इसके लिए जरूरी है कि निवेश के प्रति अनुशासित और धैर्यवान रहें। अपने निवेश को हर साल बढ़ाते जाएं। इससे आप कम समय में ही अपना पैसा बढ़ाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

अपने और परिवार के लिए खरीदे इंश्योरेंस

भारत में आज भी कई लोगों के पास मेडिकल इंश्योरेंस नहीं है, जिसके कारण मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में कई लोगों का पूरा बैंक अकाउंट और निवेश खाली हो जाता है। यहां तक की कई बार कर्ज लेने की भी नौबत आ जाती है। ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपने और अपने परिवार के लिए मेडिकल इंश्योरेंस जरूर लें।

खबर संक्षेप

मांगों को लेकर 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल

रोहतक। सरकार द्वारा सफाई कार्य में ठेका प्रथा लागू करने और एमडब्ल्यूएस ऐप के माध्यम से जबरन ऑनलाइन हाजिरी लगाने जैसे फैसलों के विरोध में हरियाणा के पालिका व फायर कर्मचारी 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल करेंगे। यह निर्णय शनिवार को नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा का राज्य स्तरीय बैठक में लिया गया। जिसकी अध्यक्षता राज्य प्रधान नरेश कुमार शाही ने की और संचालन महासचिव मंगिराम तिरगा ने किया।

रोडवेज कर्मचारी संघ के प्रधान बने संदीप सिंघवा

रोहतक। हरियाणा रोडवेज संयुक्त कर्मचारी संघ की शनिवार को बस स्टैंड परिसर स्थित चालक प्रशिक्षण स्कूल में बैठक संपन्न हुई। जिसमें संदीप सिंघवा को प्रधान पद के लिए चुना गया है। बैठक की अध्यक्षता पूर्व डिप्टी प्रधान सोनू हुड्डा ने की, जबकि संचालन दीपक हुड्डा द्वारा किया गया। बैठक में राज्य प्रधान जगदीप लाठर, राज्य उपप्रधान संदीप रंगा, सज्जन कंडेला एवं श्रीकृष्ण सुहाग सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया। नई कार्यकारिणी में सचिव मनीष अहलावाल, वरिष्ठ उपप्रधान कुलदीप बड़ौली, उपप्रधान सुरेन्द्र मकड़ौली, कोषाध्यक्ष प्रह्लाद, ऑडिटर प्रवीन लाठर, प्रेस प्रवक्ता राजेश गतोली, सह सचिव सुनील खटक, कार्यालय सचिव ओमप्रकाश, सह कैरियर अमित ढिगाना, कानूनी सलाहकार अशोक हुड्डा को नियुक्त किया।

पानीपत सफाई घोटाले की जांच की मांग उठाई

रोहतक। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की हरियाणा राज्य कमेटी ने पानीपत नगर निगम में हुए कथित सफाई ठेका घोटाले की उच्च न्यायालय की निगरानी में निष्पक्ष जांच की मांग की है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार, विशेष रूप से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, इस घोटाले में लिप्त ठेका कम्पनियों को बचाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि एंटी कर्प्शन ब्यूरो द्वारा 2 मई 2025 को नगर निगम के 12 अधिकारियों और दो ठेका कम्पनियों के मालिकों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज किए जाने के बावजूद अब तक न तो किसी आरोपी की गिरफ्तारी हुई है और न ही किसी को निलंबित किया गया है।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को नई तकनीक की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

कृषि विज्ञान केंद्र रोहतक तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा “विकसित कृषि संकल्प अभियान” के तीसरे दिन शनिवार को जिले के नौ गांवों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कृषि विज्ञान केंद्र रोहतक की प्रभारी डॉ. मीना सिवाच ने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान का उद्देश्य किसानों को उपज बढ़ाना तथा सीधे संवाद से कृषि में आ रही समस्याओं को जानना व प्रतिपुष्टि करना है। इस अभियान के तहत



जिले में तीन टीम गठित की गई हैं। इन टीमों में कृषि विज्ञान केवीके रोहतक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा संस्थान) और हरियाणा सरकार के कृषि, बागवानी विभाग एवं मत्स्य विभाग के

मॉक ड्रिल में किया जाता है प्रतिक्रिया और समय का मूल्यांकन
राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रशासन ने की मॉक ड्रिल



रोहतक। मॉक ड्रिल करते पुलिस कर्मी।

फोटो: हरिभूमि

यहां-यहां हुई मॉक ड्रिल

उपायुक्त धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि ऐसे अभ्यासों में सक्रिय भागीदारी से न केवल प्रशासन की कार्यप्रणाली बेहतर होती है, बल्कि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। ऑपरेशन शिल्ड के तहत आज लघु सचिवालय, सामान्य अस्पताल, अर्पण संस्थान व जन सेवा संस्थान में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में बताया गया कि बम विस्फोट होने के उपरान्त घायल लोगों को किस प्रकार से उपचार दिया जाता है और बचाव कार्य पूर्ण किए जाते हैं। मॉक ड्रिल में सिविल डिफेंस, पुलिस, जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, होमगार्ड, एनसीसी कैडेट्स ने अपने-अपने कार्यों का अभ्यास करके दिखाया। एनसीसी यूनिट ने पूरे गाउंड परिया को चेक किया कि कहीं कोई घायल तो नहीं रह गया है। घायलों को विभिन्न माध्यम अपनाकर भावनों से बाहर निकल गया और उन्हें प्राथमिक उपचार रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा बनाए गए स्वास्थ्य केंद्र में दिया गया। बचाव के लिए पिक एंड बैक, फायरर नैल पिक्ट, फॉर एंड एप्ट, लैंडर व ब्लैकट तरीके अपनाए गए।

समन्वय में सुधार कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में प्रभावित स्थान तक राहत एवं बचाव दलों की शीघ्र और सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करना है। धर्मेन्द्र सिंह बताया कि मॉक

ड्रिल के दौरान चिन्हित क्षेत्र में एयर रेड की सूचना के साथ सायरन बजाया गया। चिन्हित स्थान पर एयर रेड की सूचना के साथ मॉक ड्रिल के दौरान विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में राहत दलों की तैनाती, रास्तों की निगरानी,



रोहतक। मॉक ड्रिल के दौरान घायलों को सुरक्षित स्थान पर ले जाते साथी।

19 लोगों को दिखाया गया घायल

घायलों को आगामी उपचार के लिए अस्पतालों में भेज दिया गया। लघु सचिवालय में आयोजित मॉक ड्रिल में 19 लोगों को घायल दिखाया गया। उन्हें भावनों से बाहर निकाल और प्राथमिक उपचार दिया गया। घायलों में से कुछेक ने मोटी चेन पहन रखी थी, जिसकी वजह से सांस लेने में समस्या हो रही थी। कुछेक लोगों के सिर में चोट लगी थी, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। कुछेक लोगों को फ्रैक्चर भी हुआ था। ब्ल्यास्ट के बाद उठी धूल के कारण प्रभावित क्षेत्र के लोगों के गले में मिट्टी जाने से भी परेशानी हुई थी। प्राथमिक उपचार के दौरान बताया गया कि सर्वप्रथम अगर किसी घायल ने बेहोश बांध रखी है, तो उसे तुरंत प्रभाव से दिला दिया जाए। इसी प्रकार से जूते भी दौले कर दिए जाए।

आपातकालीन चिकित्सा सुविधा की उपलब्धता और नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्यवाही का अभ्यास किया गया। साथ ही, सूचना एवं संचार व्यवस्था की त्वरित सक्रियता और विभागों के मध्य समन्वय को परखा गया। लघु सचिवालय में प्लाटून कमांडर दीपक सांगवान, सिविल

अस्पताल में प्लाटून कमांडर अभिषेक, जनसेवा संस्थान के प्लाटून कमांडर सुभाष व अर्पण में हवलदार सोनू के नेतृत्व में मॉक ड्रिल करवाई गई। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव श्याम सुंदर के नेतृत्व में प्राथमिक उपचार दिया गया। इस दौरान जिला राजस्व विभाग के एफआरए जितेंद्र भी मौजूद रहे।

पॉलिथीन के नाम पर दुकानदारों को किया जा रहा परेशान, फैक्टरी ही बंद करे सरकार

■ महाजना न धर्मशाला में दुकानदारों ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

कस्बा महम के दुकानदारों की एक बैठक महाजना न धर्मशाला में आयोजित की गई। इस बैठक में दुकानदारों ने कहा कि पॉलिथीन का प्रयोग न करने को लेकर प्रशासन द्वारा उनको परेशान किया जा रहा है। दुकानदारों ने कहा कि पॉलिथीन के नाम पर उनको परेशान किया जा रहा है। यदि सरकार पॉलिथीन को बंद करना चाहती है, तो पहले उन फैक्टरियों को ही बंद करना चाहिए,



महम। महाजना न धर्मशाला में आयोजित बैठक में भाग लेते महम के दुकानदार।

जहां पर पॉलिथीन का निर्माण होता है। फैक्टरियां बंद हो जाएंगी तो पॉलिथीन अपने आप ही बंद हो जाएगा। व्यापार मंडल महम ने जिला उपायुक्त से इस संबंध में संज्ञा

लेकर स्थानी प्रशासन को उचित निर्देश देने की मांग की है। इस मौके पर अवसर पर नरेंद्र रत्नन, सुशील गुप्ता, जोगिंद्र गिरोत्रा, पार्षद बोबी गोयल, अशोक कुमार आदि रहे।

आर्य स्कूल मदीना में विद्यार्थियों ने लगाई विज्ञान प्रदर्शनी

महम। आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई। अडिस्ट्रेट प्रोफेसर ए.आई. जे. एच.एम. कॉलेज रोहतक से डॉ. कांता राठी और एपी कॉम प्रेजिडेंट सीआरपी रोहतक से डॉ. रविंद्र राठी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन किया। विद्यार्थियों से विज्ञान संबंधी विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे और उन्होंने बच्चों की जिज्ञासा को शांत किया गया। शनिवार को शिक्षक अभिभावक सभा भी आयोजित की गई। विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन अवकाश का गृह कार्य वितरित किया गया।



रोहतक। केवीएम स्कूल में पूल पार्टी में मस्ती करते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

केवीएम स्कूल में पूल पार्टी का आयोजन

रोहतक। केवीएम स्कूल में पूल पार्टी का आयोजन किया, जिसका बच्चों ने खूब लुफ्त उठायी। बच्चों ने पूल में छेलांग किया। बच्चों ने गानों पर नृत्य किया। इस दौरान बच्चों को मोटिवेशनल मूवी दिखाई गई। स्कूल प्रधानाचार्या ने बच्चों को गर्मी की छुट्टियों में ध्यान से रहने और गर्मियों से बचने की सलाह दी।

बीएमयू के विधि संकाय ने गांव खरावर में लगाया साइबर सुरक्षा जागरूकता कैंप

नुक़कड़ नाटक से ऑनलाइन टगी से बचने के तरीके बताए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा गांव खरावर में कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) एचएल वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में एक सराहनीय धरोहर के तहत गांव खरावर में साइबर सुरक्षा पर आधारित नुक़कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ-साथ उससे जुड़े खतरों और साइबर धोखाधड़ी के प्रति सजग करना था, ताकि वे डिजिटल युग में आत्मरक्षा की तकनीकों को अपनाकर खुद को सुरक्षित रख सकें। इस विशेष अवसर पर विधि संकाय के विधिक सहायता क्लब की सक्रिय भूमिका रही। क्लब के संयोजक डॉ. प्रमिला और



रोहतक। गांव खरावर में साइबर सुरक्षा पर की जानकारी देते हुए बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

सह-संयोजक डॉ. हरविंदर, सहायक प्रोफेसर ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और उसे सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विद्यार्थियों ने भी पूरे जोश और समर्पण के साथ इस आयोजन में भाग लिया। नुक़कड़ नाटक की प्रस्तुति में शुभम, हर्ष, सरवन, आदित्य, चेष्टा, पायल, कशिश



रोहतक। स्वास्थ्य जागरूकता शिविर के लिए बच्चों को रवाना करते हुए बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. एचएल वर्मा। फोटो: हरिभूमि

बीएमयू के छात्रों ने शहीद रविंद्र कुमार स्कूल में लगाया स्वास्थ्य जांच कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय द्वारा बिजनेस मैनेजमेंट क्लब और कंप्यूटर साइंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में शहीद रविंद्र कुमार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रोहतक में एक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय के किशोर विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, संतुलित एवं सक्रिय जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा उन्हें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयों प्रदान करना था।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचएल वर्मा ने विश्वविद्यालय के छात्रों को रवाना करने से पहले उनको स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम करने, संतुलित आहार लेने और मानसिक रूप से सशक्त बनने की सलाह दी। डॉ. वर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। यदि युवा अभी से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होंगे, तभी वे भविष्य में देश के सशक्त नागरिक बन पाएंगे। इस

बीमारियों से बचाव बताए

डॉ. गौरव दलाल ने जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव, नियमित व्यायाम, योग एवं ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को बताया कि छोटी-छोटी आदतों में बदलाव कर वे कई गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। डॉ. सुमन पहल ने संतुलित आहार और पोषण की भूमिका पर विस्तार से युवाओं को जंक फूड से दूर रहने और ताजे फल, हरी सब्जियां, दालें और दूध का सेवन करने की सलाह दी।

कार्यक्रम का आयोजन यूथ रेड क्रॉस प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. संजय कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। डॉ. ज्योति ने स्वास्थ्य जागरूकता और घरेलू उपायों पर जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को नींद, हाइड्रेशन और मानसिक स्वास्थ्य का महत्व समझाया। डॉ. तिलक राज ने मानसिक तनाव, एकाग्रता की कमी, भावनात्मक स्थूलन जैसे मुद्दों पर चर्चा की, जिससे किशोर छात्रों को अपनी पढ़ाई और जीवन में संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में बिजनेस मैनेजमेंट क्लब के अध्यक्ष मिस ज्योति का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने पूरे आयोजन का समन्वय किया और विद्यार्थियों को भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

मासिक धर्म स्वच्छता पर हुई कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य में बहुअकबरपुर स्थित एचडी पब्लिक स्कूल में कक्षा छठी से बारहवीं की छात्राओं के लिए शनिवार को एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शैक्षिक निदेशक कृष्णा बल्हारा फोगाट भी उपस्थित रहीं। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इससे जुड़ी सामाजिक रूढ़ियों व वर्जना को तोड़ना था। इस अवसर पर कार्यशाला का संचालन अलका बल्हारा एवं राजबाला द्वारा हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में



रोहतक। कार्यशाला में भाग लेती छात्राएं।

फोटो: हरिभूमि

‘पोरियडफ्रेंडलीवर्ल्ड’ थीम’ के तहत किया गया। उन्होंने छात्राओं को मासिक धर्म के वैज्ञानिक पक्ष, देखभाल के उपाय और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के बारे में

धर्म वाली महिलाओं के समग्र कल्याण पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। इसी कारण से यूनाइटेड ने वैश्विक स्तर पर मासिक धर्म को समर्पित: मासिक धर्म स्वच्छता दिवस (एमएच दिवस) की शुरुआत की जो 2014 से हर वर्ष 28 को मनाया जाता है। कार्यशाला के दौरान ऑडिटोरियम की विषय से संबंधित सूचना प्रदर्शन की जिम्मेदारी प्रदीप द्वारा बखूबी निभाई गई।

विद्यालय प्रशासन ने सभी शिक्षकों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास छात्राओं को सशक्त बनाते हैं और उन्हें जागरूक नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

द आर्यन पब्लिक स्कूल में फन-डे का आयोजन

रोहतक। बीसकाल अवकाश से पहले द आर्यन पब्लिक स्कूल लाखन माजरा में फन डे आयोजित किया गया। पानी की मस्ती का आनंद लेते हुए पूल पार्टी के दौरान नव्वे छात्र उत्साह में रहे। स्कूल के सेकेंडरी विभाग के बच्चों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। फन डे पर बच्चों के लिए आयोजित किया गया कठपुतली यानी पपेट शो आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान छात्रों ने कठपुतली की नाट्यम शरारतों से भरी वातावरण देखीं। पूरे आयोजन स्थल पर हंसी की आवाज गूँज रही थी।

मार्केट न्यूज

तनिष्क शोरूम में एलान कलेक्शन का मल्ल शुभारंभ व रैंप वॉक का आयोजन



रोहतक। मई-आज तनिष्क ने अपनी न्यू कलेक्शन ELAN का भव्य शुभारंभ किया। इस विशेष अवसर पर तनिष्क रोहतक के टीम लीडर्स आकांशा और पिंकी ने ग्राहकों के लिए डायमंड अवेयरनेस सेशन का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने डायमंड की गुणवत्ता, कट, क्लैरिटी और वेल्यू से जुड़ी अहम जानकारीयों दी गईं। इस आयोजन में मेहमानों ने ELAN कलेक्शन की शानदार ज्वेलरी पहनकर रैंप वॉक में भाग लिया। एक शानदार फोटोशूट का आयोजन भी किया गया, जिसमें मेहमानों के खूबसूरत पलों को कैमरे में कैद किया गया तथा उनकी तनिष्क के गहने पहने हुए फोटो को ELAN के फोटो फ्रेम में लगा के उन्हें गिफ्ट दी गई। जो हमेशा उनके लिए यादगार बनी रहे। तनिष्क रोहतक द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सभी उपस्थित ग्राहकों के लिए एक यादगार अनुभव बन गया।

मानसरोवर हॉस्पिटल

REQUIRES

❖ BAMS

❖ PRO

❖ RMO

6

5

5

नजदीक पी.एन.वी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक

Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599



रोहतक। पं. नेकीराम कॉलेज के एनएसएस वालंटियर हस्ताक्षर अभियान में भाग लेते हुए।
फोटो: हरिभूमि



रोहतक। हरिभूमि समाचार पत्र द्वारा आयोजित हस्ताक्षर अभियान में भाग लेते हुए पूर्व शिक्षक धर्मसिंह अहलावत।
फोटो: हरिभूमि



रोहतक। हरिभूमि समाचार पत्र द्वारा आयोजित हस्ताक्षर अभियान में भाग लेते हुए सेना के जवान।।
फोटो: हरिभूमि



रोहतक। हरिभूमि समाचार पत्र द्वारा आयोजित हस्ताक्षर अभियान में अभियान में भाग लेते हुए मनोज प्रभाकर।
फोटो: हरिभूमि

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर पंडित नेकीराम कॉलेज और बस स्टैंड पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरिभूमि समाचार पत्र द्वारा शनिवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर तम्बाकू निषेध हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जहाँ हजारों की संख्या में लोगों ने तंबाकू छोड़ने की शपथ ली। लोगों को तम्बाकू के दुष्प्रभाव से अवगत करवाया गया। साथ ही उन्हें अन्य लोगों को भी इस बारे में जागरूक करने की अपील की गई। अभियान बस स्टैंड और पं. नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलाया गया। जिसमें एलपीएस बोसार्ड का सहयोग रहा। अभियान का उद्देश्य जनमानस को तम्बाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और युवाओं को इस जानलेवा लत से बचना रहा।

अभियान में हजारों यात्रियों, विद्यार्थियों एवं युवाओं ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने अभियान स्थल पर हस्ताक्षर के तम्बाकू न सेवन करने का संकल्प लिया। साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरणात्मक संदेश भी दिए। छात्रों ने स्वस्थ जीवन के लिए तम्बाकू को कहें ना जैसे नारों के साथ लोगों से अपील की कि वे स्वयं भी तम्बाकू से दूर रहें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अभियान के दौरान मौजूद सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू न सेवन करने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर युवाओं ने एकजुट होकर तम्बाकू के खिलाफ जनआंदोलन को गति देने का

मदीना में मंदिर की दीवार और घाट बनेंगे

महम। मदीना गांव स्थित शीतल बाबा के सतडोली मंदिर की दीवार और घाट का निर्माण किया जाएगा। शनिवार को निर्माण कार्य का शुभारंभ गांव की सरपंच अंजु शर्मा के पति जगबीर ने किया। दीवार और घाट की नींव रखने की खुशी में ग्रामीणों को प्रसाद वितरित किया। इस मौके पर पंच दिनेश, राजेंद्र शर्मा, सुनील, शिव कुमार, आजाद व मंदिर कमेटी सदस्य मौजूद थे।

शिविर में 50 लोगों ने किया रक्तदान

रोहतक। भारत विकास युवा परिषद द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन भालौत में किया गया। जिसमें रेडक्रॉस सचिव श्याम सुंदर मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में पूर्व क्षेत्रीय सचिव -भारत विकास परिषद शमशेर प्रकाश गोयल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस शिविर में 50 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर युवा शाखा से अमित मित्तल, रेणु खटोड़, अक्षय गोयल, रितेश अग्रवाल, शोभा गुप्ता, अमित नागपाल, प्रीति अग्रवाल, युवा शाखा की फर्स्ट डोनर वैष्णवी गुप्ता ने अपना पहला रक्तदान किया।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं. : 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 से.मी	स्थायी संस्करण के	छ. 2500/-
10 X 8 से.मी	अन्य के प्रुष्ठ पर	छ. 3000/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

रिट्डी कार्यालय : हरिभूमि, कृषि विज्ञान केंद्र के मुख्य कार्यालय : हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400 स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019/20

हरिभूमि के हस्ताक्षर अभियान में लोगों ने ली तंबाकू छोड़ने की शपथ

आसपास के लोगों को भी जागरूक करें



एलपीएस बोसार्ड के मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने कहा कि तम्बाकू से साल में कई हजार लोगों की मौत होती है। इस दर को कम करने के लिए हमें इससे दूर जाना होगा। यहीं नहीं आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करना जरूरी होगा।



रोहतक। समाजसेवी धर्मसिंह, जसबीर कुमार व रोडवेज कर्मचारी अमित महाराणा हस्ताक्षर अभियान में भाग लेते हुए।
फोटो: हरिभूमि

तम्बाकू के बदले सौँफ इलायची का सेवन करें

समाजसेवी धर्म सिंह ने कहा कि यह दिवस जागरूकता के लिए मनाया जाता है। तंबाकू कैंसर के रूप में जानलेवा साबित होता है, ऐसे में हमें किसी भी रूप में इसके सेवन से बचना चाहिए। समाजसेवी जसबीर कुमार ने कहा कि यदि आपको तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति है तो तम्बाकू के बदले सौँफ, इलायची एवं कच्ची सब्जियाँ और सलाद का सेवन करें।

संकल्प लिया। कहा कि वह आगे भी इस तरह के जागरूक कार्यक्रम करते रहेंगे। तम्बाकू के खिलाफ लोगों को जागरूक

करते रहेंगे। इस अभियान ने न केवल लोगों को जागरूक किया बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश भी फैलाया। हरिभूमि

को-स्पॉन्सर ने भी किया जागरूक

अभियान में पहुंचे को-स्पॉन्सर आईबी स्मार्ट स्टार्ट के डायरेक्टर रमेश नरवाल ने भी लोगों को तम्बाकू के खिलाफ लोगों को जागरूक किया और हस्ताक्षर अभियान का हिस्सा बनें। इसमें एलपीएस बोसार्ड, काएनोस अस्पताल, मलिक मनोरोग चिकित्सा केंद्र ने भी जागरूक किया।



रोहतक। रोडवेज संयुक्त कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान जगदीप लाटर व राज्य उप प्रधान संदीप रंगा हस्ताक्षर अभियान में शपथ लेते हुए।

और एलपीएस बोसार्ड के इस प्रयास को लोगों ने काफी सराहा। लोगों ने यह भी अपील की है कि मीडिया समूह इस तरह के

जागरूक कार्यक्रम समय-समय पर चलाते रहे। ताकि लोग सतर्क रहे। इस अवसर पर डॉ नवीन दांगी, डॉ संदीप चहल, डॉ अमित

तम्बाकू से होने वाले रोगों की जानकारी दी

कार्यक्रम के दौरान वेटिकन इंस्टिट्यूट व पं. नेकीराम कॉलेज के एनएसएस वालंटियरों ने आमजन को तम्बाकू और उससे होने वाले रोग जैसे कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियाँ आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और समाजसेवियों ने लोगों से अपील की कि वे अपने और अपने परिवार की भलाई के लिए इस आदत को त्यागें।

गांव और ब्लॉक स्तर चलाया होगा अभियान

बस स्टैंड डिपो के राज्य प्रधान जगदीप लाटर ने कहा कि हमें यह जागरूकता अभियान यहीं तक सीमित नहीं रखना है बल्कि हमें इसी गांव व ब्लॉक स्तर पर भी चलाया चाहिए ताकि युवाओं को तंबाकू की लत से दूर रखा जा सके। ग्रामीण युवकों को भी तम्बाकू से होने वाली हानियों के बारे में जागरूक करना जरूरी है ताकि वे नशे को इस बीमारी से दूरी बना सकें।

सोनू हुड्डा, रोडवेज डिपो के प्रधान संदीप सिंधवा, सज्जन सिंह कंडेला आदि मौजूद रहे।

पुलिस के 11 अधिकारी सेवानिवृत्त एसपी कार्यालय में विदाई समारोह



रोहतक। सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों के साथ एसपी वाईवीआर शशि शेखर।
फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पुलिस में कार्यरत 11 अधिकारी शनिवार को पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हुए हैं। पुलिस कार्यालय में स्थित सभागार में आयोजित विदाई समारोह में एसपी वाईवीआर शशि शेखर ने सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य व स्वास्थ्य की कामना करते हुए सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया है।

निरीक्षक जोरासिंह, हॉनरेरी निरीक्षक राम कुमार, हॉनरेरी निरीक्षक रोहताश, हॉनरेरी निरीक्षक रामरतन, हॉनरेरी निरीक्षक जसबीर, हॉनरेरी निरीक्षक सुरजीत, उपनि बिजेंद्र, उपनि संजीव कुमार, सउपनि लालू राम,

सउपनि सरोजनी व उपनि महाबीर सेवानिवृत्त हुए हैं।एसपी वाईवीआर शशि शेखर ने कहा कि सेवानिवृत्त हुए पुलिस अधिकारियों ने अपने जीवन के सबसे कीमती समय पुलिस विभाग को समर्पित किया है। पुलिस विभाग उनका हमेशा ऋणी रहेगा। पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों ने पुलिस विभाग में विभिन्न पदों पर रहकर कर्तव्यनिष्ठा व ईमानदारी से अपना कार्य किया है। पुलिस विभाग की नौकरी कठिन नौकरियों में से एक है। जवान के साथ-2 परिवार को भी संघर्ष करना पड़ता है। पुलिस विभाग में सम्मान पूर्वक सेवानिवृत्त होना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी पुलिस विभाग में भी सहयोग देते रहे।

इंडस स्कूल का ग्रीष्मकालीन शिविर संपन्न

विद्यालय की चेरपरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने किया मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल शनिवार को विद्यालय परिसर में चल रहे ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन हुआ। विद्यालय की चेरपरपर्सन डॉ. एकता सिंधु के निदेशन में आयोजित इस शिविर में कक्षा तीसरी से आठवीं तक के शिविर प्रतिभागियों ने बड़-चढ़ कर भाग लिया। शिविर में बच्चों ने योग, नृत्य, संगीत, इंडोर गेम्स, आउटडोर गेम्स, आर्ट एवं क्राफ्ट, घुड़सवारी, जलक्रीड़ा आदि विभिन्न कलात्मक गतिविधियों के विषय में ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त किया। सभी प्रशिक्षार्थियों ने शिविर में प्रशिक्षण के दौरान जो सीखा उसका मंच पर प्रदर्शन किया व उस उक्ति को सार्थक कर दिखाया कि हम भी किसी से कम नहीं हैं। विद्यार्थियों ने स्केटिंग के प्रदर्शन द्वारा



सबको रोमांचित कर दिया, नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति द्वारा खुब तालियां बटोरी, आर्ट एंड क्राफ्ट वाले छात्रों ने सीडी पेंटिंग, कैनवस, टी-शर्ट पेंटिंग की प्रदर्शनी लगाई, कले मॉडलिंग वाले छात्रों ने टैडी बियर, फ्रूट टोकरी व कले द्वारा

बनाई अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों को सम्मानित किया : क्विकिंग वाले छात्रों ने सीखे गए लजीज व्यंजनों को प्रदर्शन कर सबको खाने के लिए लालायित कर दिया। विद्यालय की

चेयरपर्सन ने अपने संदेश में कहा कि समर कैंप का उद्देश्य बच्चों के बुनियादी कौशल को बढ़ावा देना है। अंत में, शिविर प्रतिभागियों को उनकी उपलब्धियों पर सर्टीफिकेट व उपहार देकर सम्मानित किया।

राजपूत धर्मशाला में निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर आन

रोहतक। राजपूत महासभा द्वारा 1 जून को राजपूत धर्मशाला महाराणा प्रताप चौक में निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। महासभा के प्रधान राजबीर तेंवर ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सक सामान्य जांच, बच्चों के रोगों की जांच, हड्डियों की जांच, ब्लड, शुगर, आंखों की जांच करेंगे। कैप में डॉ. पीएस गहलोत, डॉ. जसबीर परमार, डॉ. एसएस चौहान, डॉ. राजेंद्र चौहान, डॉ. वीणा गहलोत, डॉ. रश्मी और पीजीआई की टीम द्वारा मरीजों की जांच की जाएगी। साथ ही दवाइयां भी दी जाएगी।

व्यापार मंडल सदस्यों ने नए थाना प्रभारी सुभाष का किया स्वागत



महम। व्यापार मंडल महम के सदस्यों ने शनिवार को महम के नए एसएचओ सुभाष को फूलों का गुच्छा भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान व्यापारियों ने उनको कई नियुक्ति के लिए शुभकामनाएं दीं। एसएचओ सुभाष ने व्यापारियों के साथ शहर की सुरक्षा के संबंध में चर्चा की और भरोसा दिलाया कि शहर के व्यापारी व दुकानदार बिना भय के अपना व्यापार करें। सुरक्षा के मामले में किसी तरह की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। इस मौके पर महम के प्रसिद्ध समाजसेवी विजय मित्तल, व्यापार मंडल महम के प्रधान जोगिंद गिरोड़ा, सुशील गुप्ता, कालू रलहन, राजीव गुप्ता, सतपाल व राकुकुमार समेत कई दुकानदार मौजूद थे।

सोनू ढाका राष्ट्रीय जाट महासभा जुलाना हल्के के अध्यक्ष बने



रोहतक। राष्ट्रीय जाट महासभा की कार्यकारिणी ने शनिवार को सुखदेव उर्फ सोनू ढाका की जीद मिले के जुलाना हल्के का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस अवसर पर उन्हें नियुक्ति पत्र भी सौंपा गया है। पदभार सौंपने के दौरान महासभा के प्रधान तन्मय चौधरी, उपप्रधान मोहित मलिक तथा महासचिव लक्वक्ष दहिया उपस्थित रहे। सभी ने सोनू ढाका को कई निम्नकार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि वह संगठन को मजबूती और समाजहित में पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। नवनि्युक्त अध्यक्ष सोनू ढाका ने कहा कि वह संगठन की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और समाज की एकता, अधिकारों और सम्मान की रक्षा हेतु हरसंभव कदम उठावेंगे। महासभा के पदाधिकारियों ने बताया कि जुलाना क्षेत्र में संगठन को और अधिक शक्ति बनाने के लिए यह नियुक्ति की गई है ताकि स्थानीय स्तर पर युवाओं को संगठित किया जा सके और समाज के

प्रदूषण की भयावह होती वैश्विक समस्या और बढ़ते तापमान से मुक्ति पाने का सबसे कारगर उपाय है कि हम ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने की दिशा में कारगर कदम बढ़ाएं। हालांकि इस दिशा में भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन सरकारी स्तर पर ठोस पहल और जन सामान्य की भागीदारी से देश-दुनिया को हरा-भरा बना सकते हैं, भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं।



आगामी 5 जून 2025 को जब हम विश्व पर्यावरण दिवस मनाएंगे, तो हमारे देश के कई बड़े शहर तप रहे होंगे। दिल्ली हो या जयपुर, नागपुर हो या हैदराबाद। देश के कई शहर गर्मियों में तपते दीपों में बदल चुके हैं। सिर्फ हम अपने देश के शहरों की ही बात क्यों करें? लाहौर, बीजिंग, न्यूयॉर्क, टोक्यो और दुबई की भी आज की तारीख में यही स्थिति है। सवाल है, इन शहरों में फिर से जीवन को चैन और आराम देने वाली ठंडक कैसे मिले? कंक्रीट के हमारे जंगल, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में कैसे बदलें?

क्या है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर: ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर का मतलब है, ऐसे डिजाइन और ऐसी व्यवस्थाएं, जो प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत करें। ये पार्क, छतों पर बागवानी, हरित दीवारों, वर्षा जल संरक्षण, शहरी जंगल, जैविक नालियां, ग्रीन कॉरिडोर और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी सम्मिलित संरचनाओं का नाम है। यह ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि लोगों को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य

चिंतन / यशवंत कोठारी

भारतीय संस्कृति या कहां भारतीयता में प्रारंभ से ही पर्यावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। हमारी संस्कृति में वृक्ष, पेड़-पौधों, जड़ी-बूटियों को देवता माना गया है। पवित्र और देवतुल्य वृक्षों की प्राचीन परंपरा भारतीयता के साथ गुंथी हुई है। वास्तव में भारतीयता किसी व्यक्ति विशेष से नहीं प्रकृति, पर्यावरण, सांस्कृतिक चेतना और विरासत से जुड़ी हुई है। तमाम विविधताओं के बावजूद भारतीयता के रक्षकों, पोषकों ने वृक्षों को पूजने की, उन्हें आदर देने की एक ऐसी परंपरा आरंभ की, जो भारतीयता में रच-बस गई है। वृक्षों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए हमारी संस्कृति में अनेक परंपराएं और प्रथाएं विकसित की गईं जो वृक्षों, पर्यावरण, संस्कृति, सुहाग, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान आदि से जोड़ दी गईं। ये सभी चीजें कालांतर में भारतीयता का पोषण करने वाली सिद्ध हुईं।

पेड़-पौधों की करते हैं पूजा: देश के कुछ आदिवासी क्षेत्रों में विवाह के समय वर-वधु एक पौधा लगाते हैं। माना जाता है कि जैसे-जैसे वृक्ष हरा-भरा होकर विकसित होता है, दंपत्य जीवन में भी सुख और संपन्नता बढ़ती जाती है। बड़े के पेड़ को सुहाग प्रदान करने वाला माना गया है। उत्तर भारत में वट वृक्ष की पूजा का त्योहार मनाया जाता है। पीपल के वृक्ष पर भगवान विष्णु का वास माना जाता है। पलाश के वृक्ष के नीचे शीतला माता का वास माना गया है। इसी प्रकार आंवला, तुलसी, केला आदि कई पौधों की पूजा-अर्चना का विधान भारतीय संस्कृति में मौजूद है। यह भारतीयता का एक मोहक रूप है। पीपल के वृक्ष को रामायण में भी मान्यता दी गई है। तुलसी की पवित्रता, औषधीय उपयोगों और महत्व के बारे में कई प्राचीन पुस्तकों में वर्णन मिलता है।

कविता
अलका सोनी

नदी सबको देती है

जब रम नहीं जानते

बहुत कुछ...

उसका देते जाना।

जल, जंगल, जमीन

यह सब देख

मछलियां, सूर्य को

मन में आने लगती है

अर्घ्य देने की जगह।

बस एक ही बात कि

उसी तरह उसने

नदी जो सबको देती है

मुझे भी बहुत कुछ दिया

कूछ न कूछ

लेकिन मैंने देर से

बदले में पाती है

देखा और समझा यह सब।

उसे नहीं समझे

तब आश्चर्य हुआ कि

जाने की

वो तब भी देती रहती है

कई वगैरें।



हरिभूमि

रविवार

भारती

विशेष: विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून

तपते शहरों में ऐसे बढ़ेगा ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर

की कमी आ जाएगी। पेरिस, सियोल, मेलबर्न और कोपनहेगन जैसे शहर अब हर नई परियोजना को ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में तब्दील कर रहे हैं।

इस दिशा की चुनौतियां: भारत में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना बड़ी चुनौती है, क्योंकि हमारी स्थानीय शहरी निकायों के पास इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। साथ ही हमारे नगर निकायों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की भी कमी है। इसलिए हमारे शहर चाहकर भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को फिलहाल नहीं बढ़ा पा रहे हैं, क्योंकि आम लोग इसे अतिरिक्त खर्च वाला समझते हैं। यही कारण है कि अब बड़े पैमाने पर ऐसी योजनाएं और स्मार्ट सिटी



मिशन उभर कर सामने आ रहे हैं, जिनमें ग्रीन कॉरिडोर, अर्बन फॉरेस्ट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर जोर दिया जा रहा है। शहरों में कृषि और टेरेस गार्डनिंग का बढ़ावा भी इसी के चलते हो रहा है। तमाम नए स्टार्टअप यह कर रहे हैं। सीएसआर और ईएसजी की फंडिंग से निजी कंपनियां आजकल हरित परियोजनाओं में निवेश कर रही हैं।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के तरीके: ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए जरूरी है कि सभी शहरी विकास योजनाओं में ग्रीन बजट को अनिवार्य किया जाए। साथ ही बिल्डिंग बाई लॉज में छत पर गार्डनिंग, वर्षा जल संग्रहण जैसी अनिवार्य

योजनाओं को लागू किया जाए। अब जरूरी हो गया है कि शहरी खेती और कम्युनिटी गार्डनिंग को अनिवार्य किया जाए। हर मुहल्ले में सामूहिक बागवानी प्रोजेक्ट शुरू किए जाएं, नगर निगम स्थानीय सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दें, इसके लिए सब्सिडी और बेहतर ट्रेनिंग का सहारा लिया जाए। शहरी घरों की छतों और दीवारों को ज्यादा से ज्यादा हरा किया जाए। इसकी सबसे पहली शुरुआत सरकारी भवनों, विभिन्न सरकारी इमारतों और शहरी विभागों से किया जाए। निजी प्लैट और कॉम्प्लेक्स में भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के टैक्स में छूट दी जाए ताकि लोग ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की तरफ आकर्षित हों। शहर की हर इमारत में ग्रीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना अनिवार्य किया जाए, साथ ही बरसाती नालियों को पुनः डिजाइन करके उन्हें जैविक जल निकासी प्रणाली में बदला जाए।

ये उपाय भी होंगे कारगर: बड़े पैमाने पर शहरों का ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर तभी विकसित हो सकता है, जब ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी इसकी ट्रेनिंग, जैसे लैंडस्केपिंग, वर्टिकल गार्डनिंग जैसी तकनीकों में युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो। युवाओं को ग्रीन अंबेस्डर बनाकर स्कूल, कॉलेज से ही इस दिशा में उन्हें पर्यावरण हितैषी के रूप में बढ़ा किया जाए। शहरों में यदि ग्रीन कैप बढ़ेगा, तो लोग उनके फायदों से भी वाकफ होंगे और ज्यादा से ज्यादा इसका फायदा उठाना चाहेंगे। इसके लिए जरूरी है कि ग्रीन मैप एम्स के कल्चर को बढ़ावा दिया जाए। ग्रीन कवर एरिया को स्टेटस सिंबल बनाया जाए। इसके लिए एआई और सैटेलाइट तकनीक से इनकी रक्षा और निगरानी भी किया जाना जरूरी है।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने से न केवल हमारी धरती को फिर से हरी-भरी बनाने में मदद मिलेगी बल्कि नई पीढ़ी को उस दृष्टिकोण से गंभीरता से जोड़कर मिलेगा, जो आज शहरी जीवन का बड़ा अभिशाप बन चुका है। इसलिए विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस पर गंभीरता से चर्चा सोचा ही न जाए, सिर्फ बहस ही न हो बल्कि इसमें अमल किए जाने की प्रक्रिया तेजी से बढ़े। *

भारतीयता के मूल में निहित पर्यावरण संरक्षण



इससे सिद्ध होता है कि भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे को कितना महत्वपूर्ण पौधा माना जाता रहा है। भारतीयता की अनेक विविधताओं के बावजूद वृक्षों का संरक्षण, उनकी पूजा-अर्चना का विधान है।

भारतीयता का अरण्य उत्सव: वृक्षों के प्रति हमारी यह श्रद्धा अनादिकाल से चली आ रही है। अरण्य ते पृथिवि स्येनमस्तु। अर्थात् हे पृथ्वीमाता, तुम्हारे जंगल, हमें आनंद, उत्साह से भर दें। यही श्रद्धा और आदर का भाव बार-बार हमें भारतीयता की मूल भावना से भी जोड़ता है। भारतीयता, जो हम सभी के जीवन से जुड़ी हुई है। भारतीयता यानी

हरी-भरी वसुंधरा, हरियाली से सजे वनप्रदेश, कामदेव का वसंत, चतकते फूल, श्रंगार से ओत-प्रोत वन, मादक गंधयुक्त समीर, आजादी से उड़ते पक्षी, कोसल की मीठी वाणी, कुलाचल भरते हिरण, नाचते मोर, झरने, झीलें, कलकल करती नदियां, ये सभी सुंदर पर्यावरण बनाते हैं और बनाते हैं भारतीयता का एक संपूर्ण फलक। फलक में उपस्थित होते हैं अनेक प्रकार के रंग। प्रकृति का यह उत्सव भारतीयता का मौलिक स्वरूप है। शायद ही विश्व के अन्य किसी भाग या देश की संस्कृति में पर्यावरण को इतना महत्वपूर्ण माना गया है।

हम समझें अपने दायित्व: प्राचीन काल में हुए हमारे ऋषि-मुनियों ने भारतीयता की महक से परिपूर्ण पर्यावरण की कल्पना की थी। यदि किसी वृक्ष को काटना बहुत ही जरूरी हो जाता तो वृक्ष पर रहने वाले पशु-पक्षियों से क्षमा याचना कर मंत्र पढ़ कर सर्वजनहिताय वृक्ष को काटा जाता था। पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने, उसे पूर्ण रूप से प्रकृति के अनुकूल रखने तथा विकास के साथ एक तादात्म्य और सामंजस्य रखने की प्रेरणा भारतीयता देती है। प्राचीन शास्त्र, साहित्य, संस्कृति, कला जो कुछ भी इस भारत भूमि पर विद्यमान रहा वह सब भारतीयता से परिपूर्ण है और यही बात प्रकृति, पर्यावरण तथा वातावरण पर भी लागू होती है। यह बेहद खेद का विषय है कि भौतिकवादी उपभोक्ता संस्कृति ने सभी प्राचीन भारतीय मूल्यों को नष्ट कर दिया है। प्रकृति के संरक्षण की बात कोई नहीं करना चाहता है। लेकिन हम सच कभी न भूलें कि अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए भी पेड़-पौधों को लगाना, उनका संरक्षण करना, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों की रक्षा सब कुछ हमारा नैतिक दायित्व है, भारतीयता का कर्तव्य है। अगर हम इस कर्तव्य को पूरा कर सकें तो एक शस्य श्यामला हरित भूमि हमारे चरों और मुसुकराएगी। *

लघुकथाएं

मेरे नाम का पेड़

मेन रोड पर रोप देता हूं। उसने कहानी बताई।
'तुमने कहा नहीं कि यह मेरे नाम का पेड़ है, किसी की अमानत है।' मैंने कहा।
'मुगले आजम के सामने मुंह खोलना इतना आसान था क्या? वो तो सीधे चिनवा देते।' वह कंधे उचका कर बोली। थोड़ी देर खामोशी रही फिर उसने धीरे से कहा, 'सच बताऊं, जब भी मैं गांव जाती हूं और इंटी पर वह बरगद का पेड़ थके-हारे लोगों को अपने साए की आगोश में समेटे दिखाता है तो मैं कांर रुकवा कर पेड़ देर तक निहारती हूं। किसी ने यात्रियों की सेवा के लिए एक चाय-पान की गुमटी भी डाल ली है। प्रधान जी ने गर्मी में च्यासों के वास्ते एक हैंडपंप भी लगवा दिया है। किसी दिन आप भी मेरे साथ चलिए, आपको पेड़ देखकर बहुत खुशी होगी।'
मैं सोचने लगा कि मरने के बाद बरगद की लकड़ी से जलाया जाता है कि नहीं? *

प्रेमदेव श्रीवास्तव

विज्ञापन

एक व्यक्ति ने अखबार में विज्ञापन छपवाया, 'पांच साल का यह लड़का, जिसकी फोटो दी जा रही है, कल शाम से घर से लापता है। किसी को यह बच्चा दिखाई दे या मिले तो दिए गए फोन नंबर पर सूचित करें। सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा।'
दूसरे दिन ही उस व्यक्ति के फोन की घंटी बजी। आवाज आई, 'आपने अखबार में बच्चे की गुमशुदगी का विज्ञापन

दिया है। उसी के संबंध में बताना चाहता हूं कि आपका बच्चा कल से मेरे पास है, आप तुरंत आकर ले जाएं।' 'आप कौन बोल रहे हैं और कहाँ से बोल रहे हैं?' व्यक्ति ने जल्दी से पूछा।
'मैं सुखद वृद्धाश्रम से रघुवीर बोल रहा हूँ...' जवाब मिला।
यह सुनकर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। उसने तुरंत अपनी पत्नी से कहा, 'गुड्डू मिल गया है, वह वृद्धाश्रम में अपने दादा जी के पास है।' *

गोविंद भारद्वाज



जो मानसून हर वर्ष जून के पहले सप्ताह में भारत में प्रवेश करता था, इस बार मई के अंतिम सप्ताह से पहले ही आ गया। ऐसा होने के पीछे किस तरह के कारण जिम्मेदार हैं और इसके क्या प्रभाव हो सकते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

समय से पहले आया मानसून !

बदलाव / रजनी अरोड़ा

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस साल मानसून की रफ्तार इतनी तेज है कि करीब 2 सप्ताह पहले ही देश में एंटी हो गई है। समय से पहले आए मानसून से हालांकि जन-मानस को गर्मी की तपिश से राहत पहुंची है, लेकिन पर्याप्त तैयारी के अभाव में कई शहर जल भराव की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

परेशानी या वरदान: मानसून का जल्दी आना, सिर्फ मौसम का बदलाव नहीं बल्कि हमारे पर्यावरण और जलवायु में हो रहे बड़े बदलावों का भी संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापमान और समुद्री परिस्थितियों के मिले-जुले प्रभाव का नतीजा है। समुद्री सतह के तापमान के अनुकूल बदलाव पड़ा है। समुद्र का टेंपरेचर सामान्य से ज्यादा रहा, जिसके कारण मानसूनी पश्चिमी हवाएं तेजी से सक्रिय हो गईं।

चिंता का कारण: मानसून का जल्दी आना हालांकि कृषि, वाणिज्य जैसे क्षेत्रों के लिए अच्छा हो सकता है। लेकिन इसके अनियमित-बिगड़ते पैटर्न से बाढ़,



लैंडस्लाइड, जलजनित बीमारियां, महामारी जैसी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा भी हो सकता है।

जल्दी आने के कारण: देश में मानसून के जल्दी आने को मौसम-वैज्ञानिक ग्लोबल वार्मिंग का असर मान रहे हैं। जिसके प्रति हमें सजग होना और समुचित कदम उठाने जरूरी हैं।

लानीना और अलनीनो का प्रभाव: यह प्रशांत महासागर के तापमान से जुड़ा सिस्टम है। जब प्रशांत महासागर का तापमान ज्यादा गर्म हो जाता है तो उसे अलनीनो कहते हैं, जो भारत के मानसून को कमजोर कर देता है। जब महासागर ठंडा होता है तो वह लानीना कहलाता है, जो मानसून को मजबूत करता है। चूंकि इस साल न ज्यादा गर्मी है और न ज्यादा ठंडक है। यानी ईएनएसओ न्यूट्रल है और यही हालात भारत के मानसून के लिए फायदेमंद है।

इंडियन ओशन डायपोल का पॉजिटिव गर्मी: कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि आईओडी अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसून की हवाएं तेज होती हैं और यह मानसून के जल्दी आने का कारण भी बनता है। तो कुछ वैज्ञानिक इसे भारतीय महासागर के पश्चिमी हिस्से यानी अफ्रीका

मानसून के प्रकार: भारतीय मानसून उन हवाओं को कहते हैं, जो ग्रीष्म ऋतु में तापमान ज्यादा होने के कारण बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर और अरब सागर में नमी के बढ़ने से सक्रिय हो जाती हैं। ये हवाएं दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पूर्व की ओर चलती हैं और ठंड के दिनों में विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। इसके आधार पर भारत में मानसून मूलतया दो तरह के होते हैं। दक्षिण-पश्चिमी मानसून (जून से सितंबर तक) ये मानसूनी हवाएं भारत में सामान्यतया एक जून को सबसे पहले केरल में प्रवेश करती हैं और वहां बारिश करती हैं। इसके बाद यह धीरे-धीरे उत्तर दिशा में बढ़ता है। फिर जून का अंत तक आते-आते यह देश के ज्यादातर हिस्सों पर छा जाती है। उत्तर-पूर्वी मानसून, ऋतु-परिवर्तन होने पर ये हवाएं विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। ये हवाएं आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर माह तक वापस चली जाती हैं।

की तरफ और पूर्वी हिस्से यानी इंडोनेशिया की तरफ पानी का तापमान से जोड़ते हैं। वस्तुतः इनके तापमान में फर्क मिलता है। अगर पश्चिमी हिस्सा गर्म होता है और पूर्वी हिस्सा ठंडा तो यह पॉजिटिव आईओडी कहलाता है। यह मानसून के लिए अच्छा होता है यानी बाढ़ल बनने, बारिश बढ़ाने में मदद करता है। जबकि इसके विपरीत यानी पश्चिम हिस्सा ठंडा और पूर्वी हिस्सा गर्म हो तो यह नेगेटिव आईओडी कहलाता है और यह मानसून को रोकता है। 2025 में अभी आईओडी भी न्यूट्रल है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगरस्त-सितंबर तक यह हल्का पॉजिटिव हो सकता है, जो मानसून को और बढ़ा सकता है।

जेट स्ट्रीम में बदलाव: मानसून की हवाएं यानी ऊपरी स्तर की हवाओं में बदलाव से भूमध्य रेखा के ऊपर से हवाएं तेजी से भारत की ओर चलती हैं, जिससे नमी से भरी हवाएं पहले पहुंचकर मानसून जल्दी ले आती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोमाली जेट हवाएं मॉरीशस और मेडागास्कर से उठती हैं। जो सीधे अरब सागर से होते हुए भारत के पश्चिमी तट यानी केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र तक आती हैं। 2025 में ये हवाएं असामान्य रूप से तेज हैं।

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ता मानसून पैटर्न: ग्लोबल वार्मिंग की वजह से वातावरण और महासागरों का तापमान लगातार बढ़ रहा है। यह बदलाव मानसून के समय और तीव्रता को सीधे प्रभावित करता है। इससे उसका चक्र बदल जाता है। इसके अलावा बीते कई महीने में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में भारी नमी देखी गई, जिससे बादलों को बनने में ज्यादा देर नहीं लगी। इसके साथ कर्नाटक-गोवा तट के पास बने साइक्लोनिक सिस्टम की वजह से मानसून जल्दी आ गया। *

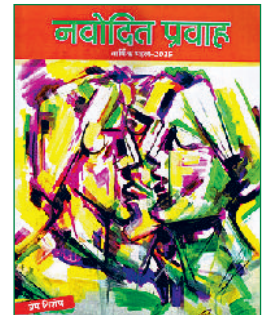
पत्रिका चर्चा / विज्ञान मूण्डण

प्रेम का साहित्यिक प्रवाह

नवोदित प्रवाह पत्रिका का वार्षिकांक प्रेम विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक नामचीन और नवोदित लेखकों की रचनाशीलता से भरा-पूरा है। यहां संकलित रचनाओं के द्वारा प्रेम के मनोवैज्ञानिक विवेचन, उसके दार्शनिक पहलू, उसकी ऐंद्रिक व्याख्या और उसकी आत्मानुभूति के अलग-अलग आयामों से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो इस अंक में प्रेम पर अच्छी कहानियां, लघुकथाएं, समीक्षाएं और लेख पठनीय हैं ही, लेकिन खासतौर पर काव्य खंड बहुत ही समृद्ध है। इसमें प्रेमाधारित कई बेहतरीन कविताएं, गजलें, दोहे और गीत पाठक को प्रेमरस से सराबोर कर देते हैं। लाजवाब गीत और गजल खंड के अलावा कविता खंड में आलोक धन्वा, अच्युतानंद मिश्रा, अल्पना सिंह और आरती आस्था की कविताएं मन में ठहर जाती हैं।

विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखी गई प्रेम कविताओं के अनुवाद ने इस अंक को संग्रहणीय बना दिया है। कृष्ण बिहारी, जितेन ठाकुर और रेणु हुसैन की कहानियां विशेष रूप से पठनीय हैं तो प्रेम पर अलग-अलग कोणों से लिखे गए लेखों में प्रेम की शाश्वतता को सलीके से व्यक्त किया गया है। *

पत्रिका: नवोदित प्रवाह (वार्षिक पहल 2025-प्रेम विशेष),
प्रधान संपादक: रजनीश त्रिवेदी 'आलोक',
संपादकीय कार्यालय: देहादुन, उत्तराखंड





सैर-सपाटा

अंशु सिंह

प्राकृतिक सुंदरता और अध्यात्म का अनुपम संगम स्थल है राजस्थान का हिल स्टेशन माउंट आबू। मरुस्थल की वीरानियत में एक शीतल तपोभूमि, जहां बिखरी है अरावली की हरियाली। फैला है, नक्की झील का अप्रतिम सौंदर्य। प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन, जिसका कण-कण कर लेता है सम्मोहित। गर्मी हो, सर्दी या हो बरसात, माउंट आबू में हर मौसम का है अपना अलग आनंद...

अरावली के मध्य बसा: अरावली पर्वत श्रंखला के मध्य में बसे माउंट आबू में प्रकृति का जनमानस के साथ कुछ ऐसा सामंजस्य स्थापित है कि 'अद्भुत' के अतिरिक्त अन्य शब्द नहीं सुझता। यहां के वायुमंडल में ही पसरी है सुकून और

शांति। मौसम का ताप भी मनोनुकूल नर्म है। रेगिस्तानी राज्य के अन्य हिस्सों की तरह गर्म नहीं है यह स्थान। आखिरकार, प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन जो है। सिरोही जिले में स्थित इस पठारी क्षेत्र को कुदरत ने नदी, झील, झरने सभी की सीगात दे रखी है। यह प्रदेश का सिरमौर है, जिसे भारत ही नहीं, संसार की प्राचीनतम पर्वत श्रंखलाओं में से एक अरावली, उत्तर से दक्षिण दो हिस्सों में विभाजित करती है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने पर्यावरणीय दृष्टिकोण से इसे संवेदनशील क्षेत्र भी घोषित कर रखा है।

भारत की आध्यात्मिक भूमि: माउंट आबू ऐतिहासिक काल से ही अलग-अलग धर्मावलंबियों की कर्मभूमि और तपोभूमि रहा है। आज भी यह स्थान हिंदू और जैन धर्मावलंबियों का पवित्र तीर्थस्थल है। कथानुसार, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर माउंट

आबू आए थे, जिसके बाद से यह जैन अनुयायियों का विशेष तीर्थस्थान बन गया है। माउंट आबू का प्राचीन नाम अर्बुदांचल है। पुराणों में इसका उल्लेख अर्बुदा अरण्य (अर्थात अर्बुदा के वन) के नाम से भी मिलता है। बाद में यही 'अर्बुदा', 'आबू' में परिवर्तित हो गया। ऐसी मान्यता है कि ऋषि वशिष्ठ का जब विश्वामित्र से मतभेद हो गया था, तब वे माउंट आबू के दक्षिणी भाग में आकर बस गए थे। उन्होंने पृथ्वी से असुरों के विनाश के लिए यज्ञ का आयोजन भी किया था। इनके अलावा, आध्यात्मिक संस्थान ब्रह्माकुमारीज का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय भी यहां स्थित है। मनमोहक नक्की झील: पहाड़ों की छांव और अरावली की हरियाली के मध्य



उससे ब्याह देंगे। रसिया ने यह चमत्कार कर दिखाया। हालांकि बाद में राजा ने अपनी बेटी उसे देने से इंकार कर दिया। दूसरी कथा के अनुसार, देवताओं ने बाली राक्षस से रक्षा के लिए अपने नाखूनों से इस झील का निर्माण किया था। इसलिए

इसका नाम नक्की झील पड़ा। गरसिया जनजाति के लिए यह पवित्र झील आस्था की प्रतीक है। **बहुत प्रसिद्ध है सनसेट प्वाइंट:** फिल्म 'कयामत से कयामत तक' का एक खूबसूरत संवाद है, 'इस डूबते हुए सूरज ने हमें पहली बार मिलाया था। यही हमें एक दिन हमेशा के लिए मिला देगा।' अभिनेता आमिर खान और जूही चावला के इस संवाद में जिस 'डूबते हुए सूरज' का जिक्र हो रहा, वह यहीं माउंट आबू के सनसेट प्वाइंट पर शूट की गई थी। यहां पास ही में स्थित हनीमून प्वाइंट नव विवाहितों का पसंदीदा स्थान है। माउंट आबू आने वाले पर्यटकों के लिए सनसेट प्वाइंट रोमांच से भरपूर एक ऐसा मनोरम

स्थल है, जहां से पल-पल रंग बदलते आकाश एवं बादलों की ओट में छिपते-दलते सूर्य के विस्मयकारी दृश्य को देखा जा सकता है। यहां आने वाले पर्यटक इन नजारों को अपनी यादों के साथ-साथ अपने कैमरे में भी जरूर कैद करते हैं।

विश्व प्रसिद्ध दिलवाड़ा जैन मंदिर: अपनी माउंट आबू यात्रा के दौरान आप दिलवाड़ा जैन मंदिर अवश्य जाएं। 11वीं से 13वीं शताब्दी के दौरान निर्मित दिलवाड़ा जैन मंदिर, जैन वास्तुकला का

उत्कृष्ट उदाहरण है। मंदिर का प्रवेशद्वार गुंबद वाले मंडप से होकर गुजरता है। सामने एक वर्गाकार भवन है, जिसमें छह स्तंभ और दस हाथियों की प्रतिमाएं हैं। पांच मंदिरों के इस समूह में विमल शह द्वारा निर्माण कराया गया मंदिर, सबसे पुराना है, जो जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर को समर्पित है। इसके अलावा, 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ को समर्पित लून वासाही मंदिर भी दर्शनीय है। यहां एक अद्भुत देवरात्री-जेठानी मंदिर भी है, जिसमें भगवान आदिनाथ एवं शान्तिनाथ जी की मूर्तियां स्थापित हैं। संपूर्ण मंदिर एक प्रांगण के अंदर घिरा हुआ है, जिसमें छोटे स्तंभों की दोहरी पंक्तियां हैं। यहां



फूल-पत्तियों और अन्य मोहक डिजाइनों से अलंकृत, नक्काशीदार छतें, पशु-पक्षियों की शानदार आकृतियां, सफेद स्तंभों पर बारीकी से उकेरी गई बेल्में, जालीदार नक्काशी से सजे तोरण और जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं हैं।

पीस पार्क में प्रकृति का आनंद: ब्रह्मा कुमारी का पीस पार्क, विविध प्रजातियों के पेड़-पौधों के बीच आपको एक अलग ही जगत में होने का एहसास कराएगा। यहां फूलों के साथ-साथ फलों के भी उद्यान हैं। यहां गुलाब, नींबू, बांस समेत अनेक वृक्ष देखे जा सकते हैं। खूबसूरत रॉक गार्डन एवं अन्य लैंडस्केपिंग को देखना भी कम दिलचस्प नहीं है। पार्क में ध्यान के लिए विशेष कोना भी है। *

जीवनशैली

शिखर चंद जैन

कई बार अनजाने में दूसरे की किसी एक्टिविटी को देखकर हम भी वैसा करने लगते हैं या वैसा करना चाहते हैं। व्यवहार विशेषज्ञों, समाजशास्त्रियों और हेल्थ एक्सपर्ट्स ने कुछ ऐसी इश्यूज का पता लगाया है। आप भी इनके बारे में जानिए।

फ्रेंड जैसे सामान: 'जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस' में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक लोगों को उस चीज की सबसे ज्यादा चाह होने लगती है, जो उनके किसी प्रियजन या मित्र के पास हो। भले ही आपके पास पहले ही एक से एक टी-शर्ट, सलवार सूट या फुटवेयर हों, लेकिन फ्रेंड के पास कोई नया पेयर देखते हैं, तो आपका भी मन मचल उठता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हम किसी चीज के स्वामित्व को जब सेल्फ एस्टीम से जोड़कर देखने लगते हैं, तब ऐसी इच्छा जाग्रत हो जाती है।' कई बार हम इन चीजों को प्रेस्टीज इश्यू बना लेते हैं।

बालों पर हाथ फेरना: व्यक्तित्व विकास के विशेषज्ञ ग्लेन विल्सन ने अपनी किताब 'इंटेड्यूसिंग बॉडी लैंग्वेज: ए प्रैक्टिकल गाइड' में लिखा है कि दो व्यक्ति जब एक-दूसरे से व्यक्तिगत बातें कर रहे होते हैं, तो उनमें एक-दूसरे को देखकर अपने बालों में हाथ फेरने या अपने बालों से खेलने की इच्छा बलवती हो उठती है। इस स्थिति को मनोवैज्ञानिक 'सिंक्रोनी' या



'पोश्चरल ईको' कहते हैं। इनका कहना है कि हम अपने सोशल बिहेवियर का काफी कुछ अपने नजदीकी लोगों से देखकर सीखते हैं, इसलिए जाने-अनजाने में हम उनकी बॉडी लैंग्वेज की नकल कर बैठते हैं। **खुजली की तलब:** एक अध्ययन के मुताबिक अपने सामने मौजूद किसी व्यक्ति को सिर या कान खुजलाते हुए देखने पर वहां मौजूद दूसरे लोगों को भी ऐसा करने की इच्छा करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हमारे अवचेतन मन में किसी को खुजली करते देख या जम्हाई लेते देख, ऐसा दोहराने की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है। ऐसा ही किसी को पानी पीते देखकर या टॉयलेट के लिए उठता देखकर किसी सार्वजनिक स्थान (जैसे सिनेमा हॉल, क्लास रूम या स्टैडियम) में होता है।

किसी को उबासी लेते देख आपको भी जम्हाई आने लगती है, है ना! वास्तव में कुछ आदतें, हरकतें या प्रतिक्रियाएं ऐसी होती हैं, जो किसी दूसरे को करते देख, ठीक वैसा ही करने के लिए हमारा भी मन मचल उठता है। ऐसा क्यों होता है, जानिए।

इन एक्टिविटीज को देख मन अपना भी मचलता है!

खुद को बीमार महसूस करना: कभी आपके साथ ऐसा जरूर हुआ होगा कि आपके किसी मित्र ने अपनी बीमारी के कुछ लक्षण आपको बताएं हों और आपने भी वैसा ही महसूस किया हो। रिसर्च बताते हैं कि हम दूसरों से 'डर' बहुत जल्दी

एक साधारण उदाहरण से इसे समझ सकते हैं। किसी संगीत समारोह में बेहद तेज संगीत को जब आप दूसरों को एंज्वाय करते देखते हैं, तो खुद भी इसे एंज्वाय करने लायक समझते हैं लेकिन पांच-दस लोग इसके 'लाउड' होने की शिकायत



हंसना या मुस्कराना
किसी सामूहिक कार्यक्रम के दौरान दूसरों को ठहाके मार कर देखना या एक व्यक्ति को मुस्कराते हुए देखना स्वतः ही दूसरे लोगों को भी ठहाके मारने या मुस्कराने के लिए प्रेरित कर देता है। खुशी या सकारात्मक प्रतिक्रिया भी उसी तरह दूसरों को प्रेरित करती है जैसे नेगेटिव एक्टिविटी करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं हर क्रिया की प्रतिक्रिया हंसांनी स्वभाव है। अगर कोई व्यक्ति आपको देखकर अच्छी टिप्पणी करता है, खुश होता है या मुस्कराता है, तो आप खुद-ब-खुद ऐसा करने लग जाते हैं।



बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश

अब से पचास साल पहले यानी वर्ष 1975 में सिल्वर स्क्रीन पर तीन ऐसी हिंदी फिल्में रिलीज हुईं, जिसने कमाई और कामयाबी के नए कीर्तिमान स्थापित किए। आपातकाल का वह वर्ष देशवासियों की चेतना में, उनके जीवन में कई तरह के बदलाव लेकर आया। वहीं उस साल रिलीज हुई तीन सुपरहिट फिल्मों ने हिंदी सिने प्रेमियों को मनोरंजन और भक्ति का बेहतरीन तोहफा दिया। वह साल हिंदी फिल्म जगत के लिए मील के पथर की तरह रहा। उस साल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली तीन फिल्में थीं- 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां'। 2025 इन तीनों ही फ़िल्मों की रिलीज का स्वर्ण जयंती वर्ष है।

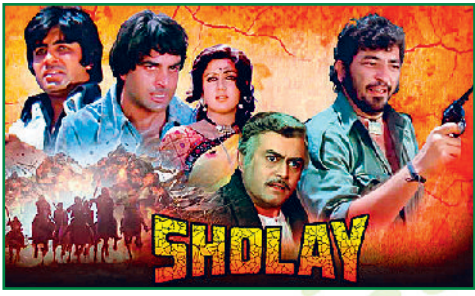
दीवार लिखी सफलता की नई इबारत

वर्ष 1975 में 24 जनवरी को फिल्म 'दीवार' रिलीज हुई। यह उस दौर में एक नई तरह की फिल्म थी। फिल्म का कथानक सामाजिक मुद्दों को उठाते हुए कुछ इस तरह से रचा गया था कि इसने गरीबी, अन्याय, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को विस्फोटक रूप से पेश किया। फिल्म में दो भाइयों के बीच खड़ी 'दीवार' ने दर्शकों को अपनी तरफ खूब खींचा। इसमें अमिताभ की 'एंग्री यंग मैन' इमेज के दर्शक कायल हो गए। सही अर्थों में इस फिल्म को न्यायप्रिय समाज का प्रतिबिंब कहा जा सकता है। 'दीवार' के

डायलॉग्स आज भी सिने-प्रेमियों के बीच लोकप्रिय हैं। 'मैं आज भी फेंके हुए पैसे नहीं उठाता', 'जाओ पहले उस आदमी के साइड लेकर आओ..' जैसे डायलॉग्स सुनते ही सिनेमाघरों में दर्शकों की सीटियां और तालियां गूंजने लगती थीं। अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले नायक के रूप में अमिताभ बच्चन को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसी फिल्म में शशि कपूर का डायलॉग 'मेरे पास मां है' दर्शकों को इमोशनल कर जाता है।

शोले तोड़े कामयाबी के रिकॉर्ड

15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई 'शोले' को हिंदी फिल्म इतिहास के अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक के रूप में गिना जाता है। जब यह फिल्म रिलीज हुई तो इसके सफल होने पर ही लोग शक कर रहे थे। लेकिन इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। फिल्म ने सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस फिल्म ने सौ सिनेमाघरों में अपनी रिलीज की



सिल्वर जुबली और पचास से अधिक में गोल्डेन जुबली का रिकॉर्ड कायम किया। फिल्म निर्माण जगत में यह क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली फिल्म मानी जाती है। फिल्म का वह दृश्य जिसमें जय (अमिताभ) वीरू (धर्मेन्द्र) को कारतूस लाने के लिए कहता है, उसमें सिक्के का एक ही पहलू अभी तक दर्शकों को रोमांचित कर देता है। जहां कहीं दोस्ती निभाने की बात आती है, वहां जय-वीरू और 'शोले' का सिक्का दर्शक नहीं भूलते हैं। जय का बसंती (हेमा मालिनी) से पूछना, 'तुम्हारा नाम क्या है बसंती?' वीरू का टंकी वाला सीन और 'सुसाइड' वाला डायलॉग। गब्बर (अमजद खान) के डायलॉग्स, 'कितने आदमी थे?', 'तेरा क्या होगा कालिया?', बसंती (हेमा मालिनी) का डायलॉग, 'चल धन्यो, आज तेरी बसंती की इज्जत का सवाल है', ठाकुर (संजीव कुमार) पर फ़िरकाए गए दृश्य और संवाद। राधा (जया बच्चन) का चुलबुलापन और मौन। 'अंग्रेजों के जमाने के जेलर' (असरानी) और सूरमा भोपाली (जगदीप) के कॉमेडी सींस।

फिल्म का एक-एक दृश्य, एक-एक पात्र, एक-एक डायलॉग, एक-एक गीत आज भी सिने प्रेमियों के जेहन में जीवंत है।

जय संतोषी मां जलाई भक्ति की अलख

'दीवार' और 'शोले' ने जहां हिंसा और बदले की भावना को प्रतिबिंबित किया, वहीं 'जय संतोषी मां' ने आस्था, भक्ति और विश्वास की जीत दिखाकर ब्लॉक बस्टर का तमगा हासिल किया। यह फिल्म 'शोले' के साथ ही यानी 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी। सामूहिक परिवार की कहानी में भाइयों की आपसी खींचतान के साथ इस फिल्म ने धर्म तथा आस्था का बेजोड़ संगम प्रस्तुत किया। आस्था, विनम्र भक्ति में रची-बसी 'जय संतोषी मां' ने भक्ति फिल्मों के एक ऐसे युग की शुरुआत की, जिसको पचास साल बाद भी भारतीय फिल्म उद्योग और समाज मानक मानकर चलता है। फिल्म में भजन और आरती के समय दर्शक एक साथ खड़े हो जाया करते थे। फिल्म समीक्षक इस बात को प्रमुखता से इंगित करते हैं कि फिल्म की रिलीज के बाद समाज में संतोषी माता के प्रति आस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। फिल्म के भजन और आरती- 'मैं तो आरती उतारू रे', 'यहां-वहां, जहां-तहां, मत पृछों कहां-कहां', 'करती हूं तुम्हारे व्रत मैं', 'मदद करो संतोषी माता' भक्ति संगीत में मील के पथर बन चुके हैं। आज भी इस फिल्म के गीत घरों और मंदिरों में भक्तिभाव से गाए, बजाए और सुने जाते हैं। *



अनेक अध्ययनों से साबित हुआ है कि हमारी लापरवाही से प्रदूषित हो रहे वातावरण से अनेक बीमारियां पनप रही हैं। हम अपने पर्यावरण को प्रदूषणमुक्त बनाकर, सही जीवनशैली अपनाकर ही स्वस्थ रह सकते हैं। इसके लिए प्रयास हमें ही करने होंगे।

पर्यावरण बनाएं प्रदूषणमुक्त आप रहेंगे स्वस्थ-ऊर्जावान

दाखिल

डॉ. राकेश 'चक्र'

वर्षों से अनेक वैज्ञानिक अध्ययन इस बात को इंगित कर रहे हैं कि हम इंसान ही अपने पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। यह जानते हुए भी कि यह प्रवृत्ति हमें विनाश की ओर ले जा सकती है, प्रकृति और पर्यावरण के विरुद्ध गैर जिम्मेदाराना कार्यशैली अपनाकर उसे प्रदूषित करते ही जा रहे हैं।

हमारी लापरवाही है जिम्मेदार: यह बहुत चिंता का विषय है कि हम अपनी रोजमर्रा की कार्यशैली से पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। हमने प्रकृति के पंच तत्वों-आग्नि, वायु, आकाश, पृथ्वी और जल को प्रदूषित करके भारी नुकसान पहुंचाया है और निरंतर पहुंचाते ही जा रहे हैं। हालात यह हो चुके हैं कि पानी को आरओ से शुद्ध करके पीना पड़ रहा है या फिर फिल्टर्ड पानी की बोतल खरीदनी पड़ रही है। कैन्सर के रोगियों में निरंतर वृद्धि हो ही रही है। पैदल चलना अब शान-शौकत के विरुद्ध माना जाता है। पचास-सौ मीटर के लिए भी वाहन का प्रयोग किया जाता है। इसी

विहार को प्रकृति के अनुकूल ढालें। सुविधाभोगिता की वस्तुओं का प्रयोग उठाना ही करें, जितना अतिआवश्यक हो। अपने आस-पास तुलसी, मनीप्लांट, स्नेकप्लांट, नीम, पीपल आदि के पौधे अधिक से अधिक रोपें और देखभाल करें। सुविधाभोगिता में कटौती करके ही बिजली की बचत की जा सकती है। 'एसी संस्कृति' भयावह प्रदूषण की ओर ले जा रही है। हम न भूलें एसी में प्रयुक्त होने वाली गैस वातावरण को प्रदूषित करती है। इसलिए जहां तक संभव हो एसी का प्रयोग न करें या बहुत सीमित मात्रा में करें। **स्वच्छता का रखें ध्यान:** अपने घर के आस-पास सड़क और पार्क की स्वच्छता का भी ध्यान रखें। घर की रसोई से निकलने वाले सब्जियों और फलों के छिलके, चाय पत्ती आदि का खाद बनाएं, वह आसानी से बन जाता



है। इसका तरीका यही है कि छिलके आदि को खाली गमले, प्लास्टिक के कट्टे या अनुउपयोगी बाल्टी, डब्बे आदि में भरते जाएं। जब वह आधा भर जाए तो उसमें ऊपर से मिट्टी भर दें। पौधा बढ़ता रहेगा और कचरा खाद में परिवर्तित होकर उपयोगी मिट्टी बनाता रहेगा। **यथासंभव रोके प्रदूषण:** जरूरी नहीं कि कहीं भी जाने के लिए स्कूटर, बाइक या कार ही निकालें। आस-पास एक डेढ़ किलोमीटर की दूरी दस-पंद्रह मिनट पैदल चलकर तय कर सकते हैं। कुछ लिए पर्यावरण को स्वच्छ करने की शुरुआत हमें स्वयं से ही करनी होगी। यह तभी हो सकता है, जब हम अपने मन से पूरी तरह संकल्पित हो जाएं। **ऐसे करें खुद से शुरुआत:** आने वाली भयावह स्थितियों से बचने के लिए सबसे पहले तो हम अपनी दिनचर्या में ही आभूल-चूल परिवर्तन करें। आहार-